RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः26 , मंगलवार, 10 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर माहेर ममता निवास में सेवा और संवेदना का संगम... 03

मिशन परिवार विकास के अंतर्गत यूपीएचसी उतरवारी पोखरा में जागरुकता सह स्वास्थ्य... 04

भागम भाग 2 में मीनाक्षी चौधरी की एंट्री पक्की, बोलीं- अक्षय कुमार... 07

संक्षिप्त समाचार

मिडिल ईस्ट में जंग के बीच इंडिगो फ्लाइट का यू-टर्न

- इथोपिया सीमा से लौटी वापस, दिल्ली में हुई आपातकालीन लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट यू टर्न लेकर वापस दिल्ली लौट आई है। इंडिगो की फ्लाइट 6ई 33 इथियोपिया की सीमा के पास पहुंचकर अचानक बीच हवा से वापस मुड़ गया। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। फ्लाइट ट्रैकिंग सेवा फ्लाइट राडार 24 के अनुसार, दिल्ली से उड़ान भरने के बाद इंडिगो का विमान इथियोपिया की सीमा के निकट हवाई क्षेत्र में पहुंचते ही अचानक यू-टर्न (वापस मुड़ गया) हो गया। इसके बाद विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश लिया। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच दिल्ली से मैनचेस्टर जाने वाली 26 फरवरी के बाद यह इंडिगो की पहली फ्लाइट थी। दिल्ली से मैनचेस्टर जाने वाली इंडिगो की

यह फ्लाइट करीब 7 घंटे उड़ान के बाद वापस लौटी है। फ्लाइट राडार24 की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली-मैनचेस्टर मार्ग की ग्रेट-सर्कल दूरी लगभग 6,829 किलोमीटर है, और मार्ग और मौसम की स्थिति के आधार पर औसत उड़ान समय लगभग 11 घंटे है। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि आखिर वक्त में हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद एयरलाइन को यह निर्णय लेना पड़ा। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा, मिडिल ईस्ट और उसके आसपास की बदलती स्थिति के कारण, हमारी कुछ उड़ानों को लंबे मार्ग से जाना पड़ सकता है या उनका मार्ग परिवर्तन करना पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में चल रही स्थिति के कारण अंतिम समय में हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते मूल स्थान पर वापस लौटना पड़ा।

मुख्यमंत्री पद को लेकर कर्नाटक में फिर हलचल

- दिल्ली निकले शिवकुमार, साथ में मल्लिकार्जुन खरगे भी

बेंगलुरु (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवकुमार के साथ जारी खींचतान के बीच, सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा था कि अगर कांग्रेस आलाकमान उन्हें अवसर देता है तो वह दो और बजट पेश कर सकते हैं। सिद्धरमैया ने शुक्रवार को राज्य के वित्त मंत्री के रूप में अपना रिकॉर्ड 17वां बजट पेश किया। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नई दिल्ली दौरे ने विधानसभा के बजट सत्र के बाद राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को फिर से हवा दे दी है। सरकारी और पार्टी सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार रविवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ कलबुर्गी से राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हुए। इससे पहले दिन में, दोनों नेताओं ने जिले के चित्तपुर में 1,069 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवकुमार के साथ जारी खींचतान के बीच, सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा था कि अगर कांग्रेस आलाकमान उन्हें अवसर देता है तो वह दो और बजट पेश कर सकते हैं। सिद्धरमैया ने शुक्रवार को राज्य के वित्त मंत्री के रूप में अपना रिकॉर्ड 17वां बजट पेश किया। कहा जा रहा है कि शिवकुमार के समर्थक कुछ विधायक दिल्ली जाकर पार्टी आलाकमान के सामने अपने नेता को विधानसभा के बजट सत्र के बाद मुख्यमंत्री बनाए जाने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। यह बजट सत्र 27 मार्च को समाप्त होगा। इस बीच, शिवकुमार 10 मार्च को सभी मंत्रियों, कांग्रेस विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे, जो कर्नाटक

प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में उनके छह साल पूरे होने का जश्न होगा। शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि वह अत्यंत धैर्य रखे हुए हैं और उन्हें किसी भी प्रकार की क्रांति में शामिल होने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उन्हें खुद पर विश्वास है और उम्मीद है। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख शिवकुमार ने कहा कि उन्हें न तो स्वार्थ के लिए किसी भी तरह की ब्लैकमेलिंग में दिलचस्पी है और न ही कांग्रेस के लिए किसी तरह की परेशानी पैदा करने में। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि वह मैदान में उतरकर लड़ने वाले व्यक्ति हैं, लेकिन उनकी लड़ाई कभी भी पार्टी के भीतर नहीं होती। शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा था, आज तक मैंने मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर कभी कुछ नहीं कहा है। हमारे बीच के मुद्दे, मेरे, मुख्यमंत्री और पार्टी आलाकमान तक ही सीमित हैं। मैंने सिर्फ इतना कहा है कि जो फैसला हुआ है उसमें हम शामिल हैं, इसके अलावा मैंने कभी कुछ नहीं कहा। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, कुछ लोग कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री का पद खाली हो जाएगा, दलितों को यह पद मिलना चाहिए, दूसरों को मिलना चाहिए। ये वही लोग हैं जो मुख्यमंत्री का पद खाली करवाना चाहते हैं, चाहते हैं कि यह पद दलितों और अन्य लोगों को दिया जाए।

बधाई हो! एमपी में जन्मे 5 और चीते

पहली बार देश में 50 से ज्यादा हुए,आधे से ज्यादा 'देसी'

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से एक बार फिर खुशखबरी है। और इस बार खुश होने की वजहें भी कई हैं। एक तरफ जहां 5 और शावकों का जन्म हुआ है तो दूसरी तरफ पहली बार (पिछले करीब 100 सालों में) देश में चीतों की संख्या 50 के पार चली गई है। एक और खास बात यह है कि इनमें से 33 'देसी' चीते हैं यानी कि इनका जन्म भारत की धरती पर हुआ है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को खुशखबरी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में नाम्बियाई मादा चीता ज्वाला तीसरी बार मां बनी है। इस बार उसने 5 शावकों को जन्म दिया।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत में अब अब कुल 53 चीते हो गए हैं, जिनमें से 33 का जन्म भारत में हुआ है। दुनिया का सबसे तेज दौड़ने वाला स्थलीय जीव चीता करीब 7 दशक पहले भारत से विलुप्त हो गया था। सितंबर 2022 में केंद्र सरकार नामीबिया से 8 अफ्रीकी चीते लेकर आई, जिन्हें पीएम मोदी ने कूनो में प्रवेश कराया था। पिछले वर्ष कूनो में 12 शावकों का जन्म हुआ था, जिनमें से तीन शावकों सहित छह चीतों की मौत हो गई।

इस वर्ष 7 फरवरी से 9 मार्च के बीच अलग-अलग समूहों में 14 शावकों का जन्म हुआ है। 2023 से अब तक कूनो में कुल 44 शावकों का जन्म हो चुका है, जिनमें से 33 जीवित हैं। नामीबिया से लाई गई ज्वाला और आशा, दक्षिण अफ्रीका से लाई गई गामिनी, वीरा और निर्वा और भारत में जन्मी मुखी ने उद्यान में शावकों को जन्म दिया है।

हाल ही में बोत्सवाना से लाए गए थे 9 चीते

इसी साल 28 फरवरी को बोत्सवाना से 9 चीते लाए गए थे। यह अफ्रीका से लाया गया तीसरा दल था। यह कदम देश में चीतों की आबादी पुनर्स्थापित करने की चार वर्षीय योजना के तहत उठाया गया है। प्रॉजेक्ट चीता के डायरेक्टर उत्तम शर्मा ने पिछले दिनों बताया था कि तीन चीतों

को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य स्थानांतरित किया गया है, जबकि शेष चीते कूनो में ही रखे गए हैं। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह प्रोजेक्ट चीता के लिए गौरव का क्षण है क्योंकि नामीबियाई चीता ज्वाला तीसरी बार मां बनी। उसने आज कूनो नेशनल पार्क में पांच शावकों को जन्म दिया। इसके साथ, भारत में जन्मे शावकों की संख्या 33 हो गई है। यह भारत की चीता संरक्षण यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि पशु चिकित्सकों, क्षेत्रीय कर्मियों और इसमें शामिल सभी लोगों की समर्पित कोशिशों, हुनर और प्रतिबद्धता को दिखाती है। उन्होंने कहा, इन शावकों के आने के साथ, भारत में चीतों की कुल आबादी अब 53 हो गई है। वन्यजीव संरक्षण के लिए यह एक ऐतिहासिक और दिल को छू लेने वाला पल है।

अब भारत इनोवेशन वाली इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा

- पीएम बोले- एआई-ऑटोमेशन पर फोकस है जरूरी

कहा-हम बेटियों को नए मौकों से पीछे नहीं रहने देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पोस्ट-बजट वेबिनार को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत अब तेजी से एक इनोवेशन-ड्रिवन इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा है। हमारे एजुकेशन सिस्टम को रियल-वर्ल्ड इकोनॉमी की जरूरतों के साथ और मजबूती से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डिजिटल इकोनॉमी को भविष्य के लिए जरूरी बताया। पीएम मोदी ने कहा कि लंबे समय की ग्रोथ बनाए रखने के लिए भारत को एआई, ऑटोमेशन, डिजिटल इकोनॉमी और डिजाइन-बेस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे उभरते सेक्टरों पर ध्यान देना होगा। ग्लोबल लेवल पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए यह जरूरी है।

बेटियों को नए मौकों से पीछे नहीं रहने देंगे

समावेशी विकास का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी के इस दौर में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे हम भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार हो रहे हैं, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि अवसरों की कमी के कारण कोई भी बेटी पीछे न छूटे।' पीएम ने हेल्थ सेक्टर पर बात करते हुए कहा कि सरकार एक प्रिवेंटिव और होलिस्टिक हेल्थकेयर सिस्टम पर काम कर रही है।

वेबिनार की थीम 'सबका साथ सबका विकास रखी गई

इस वेबिनार की थीम 'सबका साथ सबका विकास- लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना' रखी गई। इस कार्यक्रम का मकसद बजट में की गई घोषणाओं को जमीन पर उतारने के लिए सरकारी विभागों, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और स्टेकहोल्डर्स यानी हितधारकों के साथ मिलकर एक ठोस रणनीति तैयार करना है। वेबिनार में कई ब्रेकआउट सेशन रहे। इनमें शिक्षा और कौशल विकास, स्वास्थ्य और आयुष, पर्यटन और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा हुई।

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा, चर्चा की मांग

सरकार बोली-स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन की लोकसभा की कार्यवाही खत्म हुई। विपक्ष ने अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा किया। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा। सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे, लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है, जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जवाब दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया। वहीं, आज विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया।

विदेश मंत्री ने कहा-

- **67,000 नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके-** मौजूदा संघर्ष भारत के लिए भी चिंता की बात है। हम पड़ोसी हैं, और वेस्ट एशिया में स्थिरता बनाए रखना हमारी भी जिम्मेदारी है। खाड़ी देशों में एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। ईरान में भी, कुछ हजार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है और इसमें तेल और गैस के कई जरूरी सप्लायर शामिल हैं। सप्लाई चेन में रुकावटें और अस्थिरता गंभीर मुद्दे हैं। हमने दो भारतीय नाविकों (मर्चेंट शिपिंग) को खो दिया है, और एक अभी भी लापता है। मुंबई के शिपिंग डायरेक्टरेट जनरल ने 14 जनवरी को भारतीय नाविकों से कहा था कि वे एम्बेसी की एडवाइजरी मानें और किनारे पर बेवजह आने-जाने से बचें।

असम विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी उतारेगी सपा

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में जबरदस्त सफलता हासिल करने के बाद समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा पाने के लक्ष्य पर नजर गड़ा दी है। इस रणनीति के तहत पार्टी पहली बार असम विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेने की योजना बना रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है सपा पांच से 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। जल्द ही इसका आधिकारिक ऐलान किया जाएगा। असम में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बताया जा रहा है कि सपा असम के मुस्लिम बहुल इलाकों में अपने प्रत्याशी उतारेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी वहां चुनाव प्रचार करने जा सकते हैं।

- अखिलेश की तैयारी, राष्ट्रीय पार्टी के लक्ष्य पर नजर

173 साल पुराने हावड़ा रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प

सन 2030 तक ट्रेन संचालन क्षमता दोगुनी करने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्रालय ने अगले पांच सालों में 173 साल पुराने हावड़ा स्टेशन को अपग्रेड करने का प्लान बनाया है। इससे स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही की संख्या भी बढ़ेगी। हावड़ा देश का सबसे पुराना और सबसे बड़े रेलवे स्टेशनों में से एक है। हावड़ा स्टेशन का निर्माण 1854 में हुआ था। पिछले कुछ सालों में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हावड़ा रेलवे स्टेशन का कई बार विस्तार किया गया। 1905 में हावड़ा रेलवे स्टेशन पर छह नए प्लेटफॉर्म जोड़े गए, जिससे कुल प्लेटफॉर्म की संख्या सात हो गई। 1984 में 8 और प्लेटफॉर्म बनाए

गए, जिससे प्लेटफॉर्म की संख्या 15 हो गई। 1992 में चार और प्लेटफॉर्म के साथ एक नया टर्मिनल कॉम्प्लेक्स बनाया गया। बाद में 2009 में स्टेशन का फिर से विस्तार किया गया, जिससे प्लेटफॉर्म की कुल संख्या 23 हो गई। हाल ही में रेलवे ने फैसला किया है कि अगले पांच सालों में बड़े स्टेशनों की ट्रेन शुरू करने की क्षमता को मौजूदा लेवल से दोगुना करने की जरूरत है। प्लान के तहत हावड़ा रेलवे स्टेशन को भी अगले कुछ सालों में कैपेसिटी के मामले में अपग्रेड किया जाएगा। ईस्टर्न रेलवे ने कहा कि हावड़ा स्टेशन पर नए प्लेटफॉर्म और प्लेटफॉर्म एक्सटेंशन के जरिए टर्मिनल कैपेसिटी बढ़ाई गई है।

- **रेलवे स्टेशन के लिए बनेंगे 2 नए प्लेटफॉर्म-** ईस्टर्न रेलवे के कैपेसिटी बढ़ाने के काम के तहत, हावड़ा रेलवे स्टेशन को दो नए प्लेटफॉर्म मिलने वाले हैं। 635 मीटर लंबे प्लेटफॉर्म नंबर 24 पर 24 कोच वाली लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें खड़ी की जा सकेंगी, जबकि 300 मीटर लंबे प्लेटफॉर्म नंबर 16 पर 12 कोच वाली ट्रेनें खड़ी की जा सकेंगी। एक बार बन जाने पर दोनों प्लेटफॉर्म से सबअर्बन और लंबी दूरी की सर्विस को बेहतर तरीके से अलग करने की व्यवस्था होगी।

ब्रिक्स में 'महायुद्ध'! दो फाड़ हुआ संगठन

- ईरान हमले का असर, गठबंधन के अंदर मतभेद के हैं संकेत

भारत की अध्यक्षता में बिखर सकता है ग्रुप, संतुलन मुश्किल

तेहरान/नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान पर हुए हमले के लेकर ब्रिक्स देशों की तरफ से कोई एकजुट जवाब नहीं दिया गया है। जबकि ईरान इस संगठन का सदस्य है। ऐसे में गठबंधन के अंदर मतभेद सामने आ गए हैं। ब्रिक्स के सदस्य देश अपने अपने हितों के हिसाब से जियोपॉलिटिकल गठबंधन आर्थिक संबंधों और घरेलू प्राथमिकताओं में संतुलन बना रहे हैं। 11 सदस्यों वाले इस संगठन ने पिछले साल 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान अपनी बात फौरन सामने रखी थी। उस दौरान ब्रिक्स की अध्यक्षता ब्राजील कर रहा था। उस दौरान ब्रिक्स ने ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमलों की निंदा करते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया था। ब्रिक्स की अध्यक्षता अब भारत कर रहा है और इस बार ईरान पर हुए हमलों को लेकर संगठन पूरी तरह से चुप है। ब्रिक्स की तरफ से अभी तक कोई संयुक्त बयान जारी नहीं किया जा सका है लेकिन ब्रिक्स के अलग अलग सदस्य देशों ने अलग अलग जवाब दिया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने तत्काल युद्धविराम की मांग की है और चेतावनी दी कि यह लड़ाई मिडिल ईस्ट से आगे भी फैल सकती है। उन्होंने कहा कि हम सीजफायर चाहते हैं। हम चाहते हैं कि यह पागलपन खत्म हो।

- **ईरान पर हुए हमलों को लेकर ब्रिक्स की चुप्पी-** रूस ने भी ईरान पर हुए हमलों की सख्त आलोचना की है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन को भेजे संदेश में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की निंदा की है। रूस के विदेश मंत्रालय ने हमलों को एक आजाद और स्वतंत्र यूएन सदस्य देश के खिलाफ पहले से सोची-समझी और बिना उकसावे के हथियारबंद हमला बताया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार के साथ टेलीफोन पर बात करते समय उन्हें कहा कि बीजिंग इजरायल और अमेरिका की तरफ से ईरान पर किए गये हमले का विरोध करता है। वहीं भारत जो इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है उसने काफी सावधान रुख अपना रखा है।

भारत देख रहा जियो-पॉलिटिकल हिसाब किताब

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ईरान पर हुए हमले से ठीक पहले इजरायल दौरे पर थे। उन्होंने साफ किया कि भारत, इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा है। दोनों देशों के बीच बड़े सैन्य समझौते हुए हैं। इसके अलावा अमेरिका से भी भारत के संबंध थोड़े सुधरे हैं। भारत से 50 फीसदी का टैरिफ हट चुका है और ईरान हमले के बाद अमेरिका ने फिर से रूसी तेल खरीदने की 'छूट' दी है। ब्रिक्स के ज्यादातर देश अमेरिका और पश्चिमी देशों के विरोधी हैं। 2009 में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने मिलकर इसे बनाया था और 2024 में इसमें इंडोनेशिया, इथियोपिया, मिस्र, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया। ब्रिक्स आर्थिक तौर पर ताकतवर बन चुका है। ब्रिक्स देश मिलकर ग्लोबल नॉमिनल जीडीपी का लगभग 40 प्रतिशत और परचेज़िंग पावर पैरिटी आउटपुट का 41 प्रतिशत हिस्सा हैं जबकि 7 के पास नॉमिनल ग्लोबल जीडीपी का लगभग 44 प्रतिशत हिस्सा है। लेकिन भारत पर सवाल उठाना जायज नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि खुद रूस ने हमला किया हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

पटना हाईकोर्ट में वकील दंपति को दी गई श्रद्धांजलि

पटना। पटना हाई कोर्ट के सीनियर लॉयर अजय ठाकुर के बेटे ऋतिक ठाकुर, वैष्णवी सिंह और अवध बिहारी ओझा को पटना हाई कोर्ट में श्रद्धांजलि दी गई। ऋतिक और वैष्णवी को याद करते हुए सीनियर और जूनियर लॉयर भावुक हो गए। पटना हाई कोर्ट और सिविल कोर्ट के लॉयर ने श्रद्धांजलि देने के साथ आज खुद को न्यायिक कार्यों से दूर कर लिया है। वकील कोर्ट आ रहे हैं, लेकिन न्यायिक कार्यों में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। सीनियर अधिवक्ता अरविंद कुमार ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि, 'ऋत्विक और बहु वैष्णवी दोनों पटना उच्च न्यायालय में उभरते हुए अधिवक्ता थे। सिलीगुड़ी से अपनी गाड़ी से छुट्टियां मना कर पटना लौट रहे थे। इस दौरान सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उच्च स्तर की मेधा को तराशना कितना कठिन होता है। वैष्णवी का तो आर्गुमेंट,कॉन्फिडेंस और टैलेंट देखकर लगता था कि आने वाला समय में वो देश की नामचीन वकीलों में एक होगी। लेकिन भगवान ने क्या कर दिया। उन्होंने बताया कि, 'कल सारा दिन परिजनों के साथ रहा। उन्हें सांत्वना देता रहा और रामनामी-फूलों से लिपटी दोनों के पार्थिव शरीर देख कर कुछ समझ नहीं पा रहा था। आज बहुत ही दुखी मन से श्रद्धांजलि दे रहा हूं।' वैष्णवी सिंह की दोस्त नाजिया सबा ने याद करते हुए कहा कि, मृत्यु संपूर्ण अधिवक्ता समाज और हाई कोर्ट के लिए दुख और क्षति का विषय है। पटना हाई कोर्ट ने एक प्रतिभावान, मेहनती, अधिवक्ता वैष्णवी सिंह को खो दिया। उनके साथ काम करने के बाद मैंने उन्हें करीब से जाना। काफी सिंपल, वकालत के प्रति जुनून उनके अंदर भरा हुआ था। उन्होंने बताया कि, वैष्णवी ने लाइम लाइट से काफी दूर रहकर सिर्फ अपने काम पर फोकस किया। अपने ससुर अजय कुमार ठाकुर सर के लिए वो एक बैकबोन थी। एक प्रसिद्ध अधिवक्ता की बहू होते हुए भी उन्हें कभी वकालत को हल्के में नहीं लिया। उनके हर कदम पर उनके लिए पिलर की तरह खड़ी रही। ऋतिक के परिजन अमित ने दुख जताते हुए कहा कि, 'बिहार के जाने माने उद्योगपति कंचन जी की भांजी और बिहार के प्रसिद्ध ट्रांसपोर्टर के मालिक रानू जी की बेटी वैष्णवी और उनके पति ऋतिक की सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन का दुःखद समाचार मिला। दिवंगत आत्माओं को ईश्वर अपने श्रीचरणों में स्थान दें, साथ ही इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। वे दोनों पटना उच्च न्यायालय के सीनियर अधिवक्ता अजय कुमार ठाकुर जी के बेटे एवं बहु थे।' ठाकुर परिवार मधुबनी के हरलाखी से ताल्लुक रखता है। अजय ठाकुर पूर्व में हरलाखी विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे, लेकिन शिकस्त मिली। अजय ठाकुर के पिता स्वर्गीय रामनरेश ठाकुर पटना हाई कोर्ट के जज थे। फिलहाल, पूरा परिवार पटना की भूतनाथ रोड में पानी टंकी के पास रहता है।

टी-20 वर्ल्डकपः ईशान के गले लगकर गर्लफ्रेंड ने दी बधाई, क्रिकेटर ने अपनी जीत पर बहन को किया याद

पटना। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार टी–20 वर्ल्डकप जीता है। इस जीत के साथ बिहार की राजधानी पटना समेत पूरे प्रदेश में जमकर आतिशबाजी की गई। पटना की सड़कों पर उतरकर लोगों ने जमकर पटाखे फोड़े। ट्रक के हॉर्न पर खड़े होकर जीत का जश्न मनाया। आकाश पटाखों की आवाज से गूंज उठा। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला लिया था। पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने टी–20 वर्ल्डकप फाइनल में रिकॉर्ड 255 रन बनाए। बिहार के ईशान किशन 24 बॉल पर 54 रन बनाकर पेवेलियन लौट गए। ईशान ने 4 चौके और 4 छक्के लगाए। 16वें ओवर की पांचवीं बॉल पर ईशान किशन आउट हो गए। टीम इंडिया की जीत के बाद ईशान और उनकी गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया की तस्वीर सामने आई है। इसमें वो ईशान को निहारती दिख रही हैं। फाइनल से एक दिन पहले ईशान किशन की चचेरी बहन और जीजा की सड़क हादसे में मौत हो गई। इस सदमे के बावजूद ईशान ने बेहतर प्रदर्शन किया और 24 बॉल पर 54 रन बनाए। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद ईशान ने कहा, 'फाइनल से ठीक पहले एक कार दुर्घटना में मैंने अपनी चचेरी बहन को खो दिया। वो चाहती थी मैं बड़े स्कोर बनाऊं। मैं उनके लिए खेला। मैं यह जीत उन्हें समर्पित करता हूं।' बता दें शनिवार को ईशान की चचेरी बहन और जीजा शादी में शामिल होने के लिए जा रहे थे तभी सिलीगुड़ी में सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। दोनों की मौत हो गई, लेकिन दो बच्चे बच गए। इनमें से एक केवल छह महीने का है और दूसरे की उम्र 3 साल है। भतीजी और दामाद की मौत के कारण ईशान के पिता प्रणव पांडे फाइनल देखने अहमदाबाद नहीं पहुंच पाए।

पटना में बन रहा बिहार का दूसरा अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड

पटना। पटना के पहले अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड का निर्माण अंतिम चरण में है। इसमें नीदरलैंड से मंगाई गई पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ लगाई जाएगी। पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर की सबसे लेटेस्ट टर्फ है। राजगीर के बाद अब राजधानी के हॉकी ग्राउंड में भी एस्ट्रोटर्फ लगाया जाएगा। इस पूरे ग्राउंड को 8.44 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। यह बिहार का दूसरा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का हॉकी मैदान होगा। इसका काम मार्च अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बुडको द्वारा इस अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड का निर्माण किया जा रहा है। इसका निर्माण राजेंद्र नगर फिजिकल कॉलेज की खाली जमीन पर हो रहा है। यह ग्राउंड 99 मीटर लंबी और 60 मीटर चौड़ी है। अभी स्प्रिंकलर सिस्टम लगना बाकी है। इसमें फ्लडलाइट्स, खिलाड़ियों के लिए छात्रावास, चेंजिंग रूम, वार्म-अप क्षेत्र, और दर्शकों के बैठने के लिए स्टैंड होंगे। इसके बनने से खिलाड़ियों का नियमित अभ्यास शुरू हो सकेगा। हालांकि, अभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के आयोजन में एक साल से अधिक का समय लग सकता है। इस ग्राउंड तक पहुंचने के लिए फिलहाल सीधी सड़क नहीं है। जिस जमीन पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड बवननाया जा रहा है, पहले दलदली जमीन हुआ करती थी। यह लगभग 2 मीटर तक पानी में डूबा दलदली एरिया हुआ करता था। चारों ओर से लगातार पानी रिसाव, 3 मीटर तक ऊंची घास और दलदल की कई परतों के कारण यह मैदान वर्षों तक किसी भी खेल गतिविधि के लायक नहीं था। मैदान को खेलने योग्य बनाने के लिए हजारों ट्रॉली विशेष मिट्टी मंगाई गई है। दलदली पॉकेट्स को हटाने के लिए मशीनों से खुदाई कर रबल भरकर मैदान को स्थिर किया गया है।

'पार्टी के सक्रिय सदस्य के रूप में भूमिका निभाएंगे निशांत'

हाजीपुर। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने घोषणा की है कि निशांत कुमार ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। यह घोषणा वैशाली के हाजीपुर में की गई। कुशवाहा ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की मांग थी कि निशांत पार्टी में शामिल होकर सक्रिय भूमिका निभाएं और उसे मजबूत करें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की अटकलों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच मतभेद की खबरें सामने आई थीं। इस दौरान पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की घटना भी हुई थी। कई नेताओं ने निशांत कुमार से पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाने की मांग की थी। लंबे समय के बाद अब निशांत कुमार ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। कुशवाहा ने आगे कहा कि निशांत कुमार ने लाखों कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात कर उनसे बातचीत की है। अब वे पार्टी के सक्रिय सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे, कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करेंगे और उनसे सीधा संवाद स्थापित करेंगे। कुशवाहा ने पटना में पार्टी कार्यालय में हुई तोड़फोड़ और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजने की अटकलों को लेकर कार्यकर्ताओं में नाराजगी की खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता नाराज नहीं है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा दो दिवसीय महनार महोत्सव में शामिल होने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र पहुंचे थे, जहां उन्होंने यह बयान दिया।

हड़ताल पर गए सीओ-आरओ को विजय सिन्हा की चेतावनी

पटना में बोले डिप्टी सीएम-काम पर लौटें, नहीं तो सेवा समाप्ति

एजेंसी, पटना

बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंचलाधिकारी (CO) और राजस्व अधिकारी (RO) कई दिनों से हड़ताल पर हैं। इस बीच विभाग के मंत्री और डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने उन्हें चेतावनी दी है। पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डिप्टी सीएम विजय ने चेतावनी देते हुए कहा कि, 'यदि कर्मचारी जल्द काम पर नहीं लौटे तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।' साथ ही उन्होंने बताया कि विभाग के 100 दिन पूरे होने के मौके पर यह प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई, जिसमें विभाग के कामकाज और योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

हड़ताल के दिनों की गिनती कर रही सरकार- विजय सिन्हाः डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने हड़ताली कर्मचारियों को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि, 'जो लोग हड़ताल पर गए हैं, वो जल्द काम पर लौटें। नौकरी सेवा के भाव से करें। नहीं तो सरकार ने कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी तैयार कर ली है।'

समझें- विजय सिन्हाः विजय कुमार सिन्हा ने कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि, 'कामकाज की वैकल्पिक व्यवस्था भी हम लोग बना लिए हैं। समय रहते सभी कर्मचारियों से अनुरोध कर रहा हूं।' हमारी भी उनके साथ सहानुभूति है, क्योंकि वह हमारे विभाग के हैं। लेकिन सहानुभूति को कमजोरी समझेंगे तो सरकार पूरी सख्ती के साथ कार्रवाई करेगी।'

भू-माफियाओं की साजिश का आरोपः प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने हड़ताल के पीछे साजिश की भी आशंका जताई। उन्होंने कहा कु, 'साजिश करने वाले जो भू माफिया हैं, वैसे लोगों को आने वाले दिनों में अफसोस होगा, क्योंकि इससे हम प्रभावित नहीं होने वाले हैं। जो संकल्प NDA सरकार को इतने बड़े जनादेश के साथ मिला है, उसे जनादेश का सम्मान करने के लिए जो भी कीमत अदा करने पड़ेगा, उसे हम करेंगे।'

काम पर नहीं लौटे तो निलंबन की चेतावनीः डिप्टी सीएम ने स्पष्ट किया कि यदि कर्मचारी जल्द काम पर नहीं लौटते हैं तो सरकार सख्त कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, 'अगर तमाम कर्मचारी काम पर नहीं लौटेंगे तो हम अस्थाई बहाली का भी रास्ता खुला रखेंगे। इंतजार की घड़ी अब समाप्त हो रही है।'

100 दिनों के कामकाज का भी दिया ब्यौराः विभाग के 100 दिन पूरे होने पर मंत्री ने बताया कि इस दौरान कई अहम पहल की गईं। उन्होंने कहा कि, 'बिहार से जुड़ी सभी जमीनों के लिए बिहार भूमि पोर्टल की शुरुआत की गई है।' उन्होंने बताया कि, '12 दिसंबर से संवाद की शुरुआत की गई थी और 31 दिसंबर को भी वह सहरसा में बैठकर काम कर रहे थे। उस दिन जब लोग नए साल का जश्न मना रहे थे, तब भी विभाग काम कर रहा था।' मंत्री के मुताबिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी उनके द्वारा किए गए कामों की सराहना की है।

पटना-बाढ़ सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी, पटना

- सुबह मिला ईमेल, एंट्री प्वाइंट पर सुरक्षा बढ़ाई, लगातार धमकी मिलने पर भी नहीं पकड़ाए आरोपी

पटना सिविल कोर्ट को एक अज्ञात मेल के जरिए बम से उड़ने की धमकी मिली है। एहतियातन सिविल कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट पर मौजूद पुलिसकर्मी अंदर जाने वाले लोगों की बारीकी से तलाशी ले रहे हैं। मास्क और हेलमेट पहनकर जाने वाले लोगों को रोक दिया जा रहा है। पहले मास्क और हेलमेट उतरवाया जा रहा है, फिर एंट्री दी जा रही है। पीरबहोर पुलिस के मुताबिक, 'सुबह मेल के जरिए धमकी आई है। हालांकि, अभी तक जांच के दौरान वैसा कुछ भी नहीं मिला है।' पटना सिविल कोर्ट खुला है। वकील सामान्य दिनों की तरह आ जा रहे हैं। इसका असर परिसर के अंदर नहीं दिख रहा है। पीरबहोर थानेदार सज्जाद गद्दी ने बताया कि, धमकी मिलते ही सुबह में रूटीन वर्क के दौरान कोर्ट को सेनीटाइज किया गया, ताकि काम प्रभावित नहीं हो।'

कोर्ट परिसर की सुरक्षा हर तरह से चाक चौबंधः पुलिस के मुताबिक, पटना सिविल कोर्ट परिसर की सुरक्षा हर तरह से चाक चौबंध कर दी गई है। सुबह के वक्त पुलिस की मौजूदगी में पूरे परिसर को सेनिटाइज किया गया। कोर्ट परिसर की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को प्रॉपर जांच करने के लिए सख्त हिदायत दी गई है। वहीं, बाढ़ सिविल कोर्ट को भी बम से उड़ने की धमकी मिली है, सुरक्षा की दृष्टि कोण से बाढ सिविल कोर्ट में भी चौकसी बढ़ा दी गई है। कोर्ट के अंदर जाने आने वाले लोगों की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। हालांकि सिविल कोर्ट को आज बंद नहीं किया गया है, लेकिन जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। बम से उड़ाने की धमकी पर सिविल कोर्ट के वकील का कहना है कि हर महीने बार-बार इस तरह की धमकी कोर्ट को दी जाती है।

मुर्गे को लेकर दुकानदार और डीलर में विवाद

एजेंसी, पटना

- डीलर पर चाकू मारने और पैसे लूटने का आरोप, कहा- बर्ड फ्लू वाले मुर्गे दे दिए

पटना के चित्रगुप्त नगर इलाके के राजेंद्र नगर हरियाली सब्जी मंडी के पास सोमवार को बर्ड फ्लू से ग्रसित मुर्गे की आशंका में दुकानदार और डीलर के बीच विवाद हो गया। दुकानदार मोहम्मद अरमान का आरोप है कि सुबह के वक्त डीलर ने मुर्गे लाकर दिए थे। देने के महज आधे घंटे के भीतर एक एक कर के मुर्गे मरने लगे। जिस वक्त डीलर ने मुर्गी दिए थे, उसे वक्त दुकान पर मेरे कर्मी मौजूद थे। कर्मियों ने मुझे फोन करके इसके बारे में बताया। मैं दुकान पर पहुंचा और देखा तो मुर्गे मर रहे थे। फिर इसके बाद मैं डीलर को कॉल किया। डीलर से मैंने बोला कि बर्ड फ्लू वाले मुर्गे हमें नहीं चाहिए। आपने जो मुर्गे दिए हैं, सभी बर्ड फ्लू से ग्रसित हैं। इस बात से डीलर नाराज हो गया। दो बाइक से चार-पांच की संख्या में डीलर और उसके जाने वाले मेरी दुकान पर आए और मेरे पॉकेट से जबरन 5700 लेकर चले गए। मैं इस बात का विरोध किया तो मेरे साथ मारपीट की गई। सिर पर चाकू जैसे नुकीले आर्बिट्स से हमले कर दिए। जिसमें मेरा सिर फट गया। दुकान पर हो हल्ला सुनकर आसपास के दुकानदार आने लगे तो सभी भाग गए।

चिराग को बिहार का सीएम बनाने की मांग

एजेंसी, पटना

- बीजेपी ऑफिस के बाहर लगे पोस्टर, लिखा- 'ना दंगा, ना फसाद हो, बिहार का सीएम सिर्फ चिराग हो'

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद सबसे बड़ा सवाल है कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। इसी बीच NDA के भीतर से ही एक नई मांग सामने आई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कार्यकर्ताओं की ओर से चिराग पासवान को बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठाई गई है। इसे लेकर पटना में बीजेपी कार्यालय के बाहर एक पोस्टर भी लगाया गया, जिससे राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। पोस्टर में लिखा है- 'ना दंगा ना फसाद हो, बिहार का CM सिर्फ चिराग हो।'

चिराग को मोदी का हनुमान भी बतायाः बीजेपी कार्यालय के बाहर लगाए गए इस पोस्टर में साफ तौर पर चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई है। पोस्टर में लिखा है- 'ना दंगा हो, ना फसाद हो, बिहार का CM सिर्फ चिराग हो। सजाओ इनके सर पर ताज, तभी आएगा बिहार में स्वर्ण काल।' इसके साथ ही पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि 'मोदी जी का मिला अपने हनुमान को आशीर्वाद, चिराग होंगे बिहार के नए सरताज।' पोस्टर के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि अगर एनडीए की सरकार बनती है तो मुख्यमंत्री का चेहरा चिराग पासवान होना चाहिए। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि 'बिहार मांगे चिराग, वक्त अब आ गया है युवा मुख्यमंत्री बनाने का। NDA की होगी सरकार, CM होगा सिर्फ चिराग।'

LJP (रामविलास) के जिला अध्यक्ष ने लगाए पोस्टरः ये पोस्टर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पटना जिला अध्यक्ष इमाम गजाली की ओर से लगवाए हैं। पोस्टर लगने के बाद बिहार की राजनीति में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या NDA में चिराग पासवान को मुख्यमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है या नहीं।

सांसद अरुण भारती ने भी जताई थी इच्छाः इससे पहले लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद अरुण भारती ने भी चिराग पासवान को मुख्यमंत्री के रूप में देखने की इच्छा जताई थी। कुछ दिन पहले पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि, 'मुख्यमंत्री को लेकर अंतिम फैसला एनडीए के बड़े नेता मिलकर करेंगे।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह अपने नेता चिराग पासवान को बिहार के बड़े नेता और राज्य के मुखिया के रूप में देखना चाहते हैं।

चिराग को देश के भविष्य के रूप में देखती जनताः भारती ने कहा कि, 'जनता चिराग को बिहार के भविष्य के रूप में देखती है। प्रभारी के तौर पर जिन जिलों का दौरा किया, वहां कार्यकर्ताओं की मांग है कि चिराग आने वाले समय में बड़ी भूमिका निभाएं।'

मोकामा थाना पुलिस ने 390 किलो गांजा बरामद किया, 3 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पुलिस को बड़ी खेप आने की सूचना मिली थी

पटना जिले के मोकामा थाना पुलिस ने सोमवार को मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 390 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। इस मामले में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। मोकामा थाना प्रभारी कुणाल कुमार ने बताया कि पुलिस को क्षेत्र में मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप आने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया।

तस्करों से पूछताछ जारीः तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से 390 किलोग्राम गांजा बरामद किया। बरामद किए गए गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपए आंकी जा रही है। थाना प्रभारी ने पुष्टि की है कि इस अवैध कारोबार में संलिप्त तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस फिलहाल इन तस्करों से पूछताछ कर रही है ताकि गांजे की यह खेप कहाँ से लाई गई थी और इसे कहाँ पहुँचाया जाना था, इसका पता लगाया जा सके।

मुख्य सरगना की तलाश में जुटीः पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों और मुख्य सरगना की तलाश में जुट गई है। इस पूरे मामले को लेकर प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर ली गई है। बरामदगी की गंभीरता को देखते हुए, पटना ग्रामीण एसपी (SP Rural) द्वारा एक आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस ऑपरेशन का विस्तृत विवरण और तस्करों के नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

प्रिंस राज बने राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (RLJP) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को पटना स्थित प्रदेश कार्यालय, विधायक कॉलोनी कौटिल्य नगर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने की। बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व सांसद प्रिंस राज पासवान को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया। इस फैसले की घोषणा खुद पशुपति पारस ने की। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी नेताओं और सदस्यों की सहमति से प्रिंस राज को यह जिम्मेदारी दी गई है।

दो महीने बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते प्रिंसः पारस ने बताया कि अभी प्रिंस राज को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। करीब दो महीने बाद उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब पार्टी से जुड़े सभी संगठनात्मक फैसले, बिहार का दौरा, बैठकों का आयोजन और पार्टी को आगे बढ़ाने की रणनीति तय करने की जिम्मेदारी प्रिंस राज पासवान की होगी। पशुपति पारस ने भरोसा जताते हुए कहा कि प्रिंस राज के नेतृत्व में पार्टी और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जब भी पार्टी लोकसभा और राज्यसभा चुनाव लड़ेगी, तब बेहतर प्रदर्शन करेगी और अच्छा स्कोर करेगी।

पारस बोले- मेरी राय मुख्यमंत्री बनें नीतीश के बेटेः वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की एंट्री को लेकर भी पशुपति पारस ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राजनीति में आने वाले सभी युवाओं का स्वागत है। निशांत कुमार भी अगर राजनीति में आ रहे हैं तो यह अच्छी बात है। निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग पर पारस ने कहा कि यह फैसला विधायक दल की बैठक में तय होगा। हालांकि उन्होंने अपनी राय रखते हुए कहा कि उनके अनुसार निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

पटना में जलवायु अनुकूल बकरीपालन पर कार्यशाला

एजेंसी, पटना

- किसानों को वैज्ञानिक तरीके अपनाने की सलाह, सरकार देगी अनुदान

पटना के एक निजी होटल में सोमवार को 'जलवायु अनुकूल बकरीपालन एवं प्रबंधन' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य ग्रामीण आजीविका को मजबूत करना और किसानों की आय बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में किसानों, पशुपालकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया, जहाँ बकरी पालन को आधुनिक और वैज्ञानिक तरीकों से अपनाने पर जोर दिया गया। राज्य सरकार ने बकरी पालकों को अनुदान देने की भी घोषणा की है। कार्यशाला के वक्ताओं ने जलवायु परिवर्तन को एक वैश्विक चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा, बाढ़ और सूखे जैसी स्थितियाँ कृषि तथा पशुपालन दोनों को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में जलवायु के अनुकूल बकरी पालन और बेहतर प्रबंधन तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। विशेषज्ञों ने इस कार्यशाला को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। बिहार जैसे कृषि प्रधान राज्य में, जहाँ बड़ी आबादी कृषि और पशुपालन पर निर्भर है, बकरी पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी माध्यम बन गया है। छोटे और सीमांत किसान, भूमिहीन परिवार तथा महिलाएँ बड़ी संख्या में इस व्यवसाय से जुड़ रहे हैं।

बकरी पालन को अक्सर 'गरीब परिवारों का एटीएम' कहा जाता है, क्योंकि आवश्यकता पड़ने पर किसान आसानी से बकरी बेचकर तत्काल आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। देश में बकरियों की कुल संख्या लगभग 12 करोड़ है, जो विश्व की कुल बकरियों का लगभग 20 प्रतिशत है। बिहार में बकरियों की संख्या लगभग 1.28 करोड़ है, जिससे यह राज्य संख्या के आधार पर देश में चौथे स्थान पर है। राज्य में बकरी पालन स्वरोजगार का एक प्रभावी माध्यम बन रहा है।

सरकार दे रही अनुदानः बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा समेकित बकरी एवं भेड़ विकास कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षमता के बकरी फार्म की स्थापना पर 50 से 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना के तहत 20 बकरी + 1 बकरा, 40 बकरी + 2 बकरा, 100 बकरी + 5 बकरा तथा 500 बकरी + 25 बकरा क्षमता के फार्म स्थापित किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक कुल 3639 परिवारों को विभिन्न क्षमता के बकरी फार्म स्थापित करने में सहायता दी जा चुकी है। बीपीएल परिवारों को बकरियों का वितरण बीपीएल परिवारों के बीच तीन प्रजनन योग्य बकरियों का वितरण भी अनुदानित दर पर किया जा रहा है। इस योजना में सामान्य वर्ग को 80 प्रतिशत और अनुसूचित जाति एवं जनजाति के परिवारों को 90 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। अब तक 34,218 परिवारों को कुल 1,02,654 बकरियों का वितरण किया जा चुका है, जिससे उनकी आय में वृद्धि के साथ-साथ मांस की उपलब्धता भी बढ़ी है। राज्य में बढ़ा मांस उत्पादन बिहार में वर्ष 2004-05 में जहां 176 हजार टन मांस का उत्पादन होता था, वहीं 2023-24 में यह बढ़कर 404.30 हजार टन हो गया है। राज्य में प्रति व्यक्ति मांस की उपलब्धता भी बढ़कर 3.19 किलोग्राम हो चुकी है। गोट सिमेन बैंक की स्थापना होगी बकरियों की नस्ल सुधार और उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य में गोट सिमेन बैंक की स्थापना की योजना को भी मंजूरी दी गई है। इसके माध्यम से बकरियों में कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा मिलेगा, जिससे नस्ल में सुधार, मेमनों की मृत्यु दर में कमी और उत्पादन में वृद्धि होगी। वैज्ञानिक तरीके अपनाने पर जोर कार्यशाला में किसानों से अपील की गई कि वे बकरी पालन को केवल पारंपरिक तरीके से नहीं बल्कि वैज्ञानिक और आधुनिक तकनीकों के साथ अपनाएँ।

सही प्रबंधन, बेहतर नस्ल और संतुलित पोषण के माध्यम से बकरी पालन ग्रामीण आजीविका का मजबूत स्तंभ बन सकता है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में बकरी पालन को एक सशक्त ग्रामीण उद्योग के रूप में विकसित किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

नरिरगीर में भव्य दावत-ए-इफ्तार का आयोजन, अमन-चैन की मांगी गई दुआ

बीएनएम @ रामगढ़वा। प्रखंड क्षेत्र के नरिरगीर में प्रसिद्ध समाजसेवी अरशद अली उर्फ मुन्ना की ओर से भव्य दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों के साथ विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधि व प्रबुद्ध जन बड़ी संख्या में शामिल हुए। इफ्तार के मौके पर आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी अरशद अली उर्फ मुन्ना ने आए हुए सभी मेहमानों का स्वागत किया। इस अवसर पर सरपंच नूरुल्लाह, मुखिया नसीबुल हक और रियाज अहमद सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके अलावा नसीम आलम, रहमान आलम बाबा, एजाज अहमद, मोहम्मद यूसुफ, समसुद्दीन आलम, हैदर अली, अमित कुमार और सुबोध पांडेय सहित क्षेत्र के अनेक लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। मगरिब की अजान के साथ सैकड़ों रोजेदारों ने एक साथ बैठकर इफ्तार किया और देश में अमन-चैन व तरक्की के लिए दुआ मांगी। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और एकता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के अंत में समाजसेवी अरशद अली उर्फ मुन्ना ने सभी उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उपस्थित लोगों ने इस आयोजन की सराहना की।

हत्या के प्रयास के आरोप में तीन गिरफ्तार

बीएनएम @ रामगढ़वा। पलनवा थाना क्षेत्र के लछुमनवा गांव से पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि यह कार्रवाई पलनवा थाना कांड संख्या 52/26, दर्ज 6 मार्च 2026 के तहत की गई है। मामले में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में मुरारदेव यादव (52), पिता स्व. बच्चू कमल यादव, नरेश यादव (37), पिता जीती यादव तथा गणेश यादव (28), पिता मोती यादव शामिल हैं। तीनों आरोपी लछुमनवा गांव, थाना पलनवा के निवासी बताए जाते हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तारी अभियान में अपर थानाध्यक्ष भीम कुमार सिंह सहित पुलिस बल के अन्य जवान भी मौजूद थे।

तीन मंजिला मकान में भीषण आग, ड्राई फ्रूट्स व हार्डवेयर के गोदाम जलकर खाक

करीब 35 लाख की संपत्ति नष्ट, कारणों की जांच जारी

बीएनएम @ सिकरहना। नगर के गांधी चौक के उत्तर स्थित एक तीन मंजिला मकान में सोमवार को अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने से मकान की ऊपरी मंजिल पर बने ड्राई फ्रूट्स और हार्डवेयर के गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार मकान की तीसरी मंजिल पर रहमान टी स्टोर्स का ड्राई फ्रूट्स व सेवई का गोदाम तथा किसान हार्डवेयर का सामान रखा हुआ था। अचानक आग लगने के बाद मकान की खिड़कियों से घना धुआं निकलने लगा। धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी मकान मालिक को दी। सूचना मिलते ही मकान मालिक ने प्रशासन और अग्निशमन विभाग को इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम को आग बुझाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा, क्योंकि मकान बंद था और आग ऊपरी मंजिल पर लगी थी। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अग्निशमन विभाग की चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक दोनों गोदामों में रखा अधिकांश सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो चुका था। किसान हार्डवेयर के दुकानदार नैयर आजम ने बताया कि उनकी दुकान का लगभग 15 लाख रुपये का सामान जल गया। वहीं रहमान टी स्टोर्स के गोदाम में रखे ड्राई फ्रूट्स और सेवई समेत करीब 20 लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है। इस तरह कुल मिलाकर लगभग 35 लाख रुपये की संपत्ति के जलकर नष्ट होने की बात सामने आई है। मकान मालिक नैयर आलम, निवासी बहलोलपुर, ने बताया कि गोदाम में बिजली का कनेक्शन नहीं था और रोशनी के लिए सोलर सिस्टम लगाया गया था। ऐसे में आग लगने के कारणों को लेकर संशय बना हुआ है। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

बड़ी योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता शीघ्र सुनिश्चित करें: आयुक्त

बीएनएम @ मोतिहारी

तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बड़ी सरकारी योजनाओं से संबंधित भूमि की उपलब्धता शीघ्र सुनिश्चित कराई जाए, ताकि सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ आमजन को समय पर मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर से जो भी भूमि की मांग है, उसके अनुरूप प्रस्ताव जल्द भेजे जाएं। आयुक्त ने सोमवार को पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय में राजस्व शाखा एवं अपर समाहर्ता कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जन समस्याओं के त्वरित समाधान को प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए कहा कि इससे प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत होगा। उन्होंने लंबित वादों का समय पर निष्पादन करने तथा लोअर कोर्ट के रिकॉर्ड को अनावश्यक रूप से जिला में न रखकर संबंधित स्तर पर भेजने का निर्देश दिया। साथ ही अभिलेखों के बेहतर रखरखाव पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान दाखिल-खारिज मामलों की समीक्षा में बताया गया कि 1 अप्रैल 2025 से 6 मार्च 2026 तक म्यूटेशन के कुल 56,357 मामले प्राप्त हुए, जिनमें से 49,642 का निष्पादन किया जा चुका है। निष्पादन का प्रतिशत 88.07 रहा है, जबकि 6,379 मामले लंबित हैं। आयुक्त ने इन लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्य 2,609 करोड़ रुपये के विरुद्ध 31 जनवरी 2026 तक 1,410 करोड़ रुपये की वसूली हुई है, जो लक्ष्य का 54 प्रतिशत है। आयुक्त ने राजस्व वसूली में तेजी लाने का निर्देश दिया। सैरात बंदोबस्ती की समीक्षा में पाया गया कि जिले में लगभग 1.67 करोड़ रुपये के सैरातों की बंदोबस्ती की गई है, जिसके विरुद्ध 35.95 लाख रुपये की वसूली हुई है। आयुक्त ने बकाया वसूली में तेजी लाने को कहा। परिमार्जन से संबंधित 1,38,440 आवेदनों में से 1,11,824 का निष्पादन किया गया है, जबकि 2,778 आवेदन कारण सहित वापस किए गए हैं। लंबित आवेदनों के शीघ्र निपटारे का निर्देश भी दिया गया। अपर समाहर्ता ने बताया कि एलपीसी के लिए ऑनलाइन माध्यम से 81,391 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 57,910 का निष्पादन किया जा चुका है तथा 22,857 आवेदन अस्वीकृत किए गए हैं। वर्तमान में 624 मामले लंबित हैं, जिनके शीघ्र निष्पादन का निर्देश अंचल अधिकारियों को दिया गया है। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कर्मपुस्तिका, आवेदन पंजी, उपस्थिति पंजी, आकस्मिक अवकाश पंजी सहित अन्य अभिलेखों का भी अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, नगर आयुक्त, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, अरेराज एसडीओ, सहायक समाहर्ता तथा राजस्व शाखा के अधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

सामूहिक इफ्तार पार्टी का आयोजन, हिंदू-मुस्लिम एकता और भाईचारे का दिया संदेश

बीएनएम @ मोतिहारी

मदरसा अंजुमन इस्लामिया, मोतिहारी में 8 मार्च, रविवार को आपसी सद्भावना और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऑल बिहार उर्दू टीचर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में सामूहिक इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत और सामाजिक भेदभाव को समाप्त करना, प्रेम-मोहब्बत और त्याग-बलिदान की भावना को सुदृढ़ करना तथा समाज में भाईचारा, सामाजिक समरसता और सहिष्णुता को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान देश में अमन-शांति, हिंदू-मुस्लिम एकता तथा गंगा-जमुनी तहजीब की सलामती के लिए विशेष दुआएँ की गईं। इफ्तार में पूर्वी चंपारण जिले की अनेक शैक्षिक, राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों, डॉक्टरों, बुद्धिजीवियों तथा सैकड़ों शिक्षकों ने धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर भाग लिया और आपसी भाईचारे की एक सुंदर मिसाल पेश की। एक ही दस्तरख़ान पर हिंदू-मुस्लिम एकता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। इफ्तार में शामिल प्रमुख व्यक्तियों में एमएलसी आफाक अहमद, मोतिहारी की मेयर प्रीति गुप्ता, डिप्टी मेयर लाल बाबू गुप्ता, मुहिबुल हक़ खान, डॉ. मुबीन हाशमी, डॉ. फैसल परवाज़ खान, डॉ. फखरुद्दीन अली अहमद, डायट छतौनी के लेक्चरर, जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता तारिक अनवर चंपारनी सहित अन्य शामिल रहे।

मनरेगा में मृत महिला के नाम पर फर्जी भुगतान का मामला उजागर, कई कर्मियों पर कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के तुरकौलिया प्रखंड में मनरेगा योजना के तहत मृत महिला के नाम पर मजदूरी भुगतान का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने कई कर्मियों और पदाधिकारियों पर कार्रवाई की है। यह मामला CPGRAMS पोर्टल पर दर्ज शिकायत के आधार पर जांच में उजागर हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पिपरिया, पंचायत तुरकौलिया पूर्वी निवासी अभय कुमार ने CPGRAMS पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर बताया था कि मृतक महिला शोभा देवी के नाम पर मनरेगा योजना में फर्जी निकासी की गई है। इस शिकायत की जांच वर्तमान कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) तुरकौलिया से कराई गई। जांच के दौरान मृतका के परिजनों ने पुष्टि की कि शोभा देवी की मृत्यु हो चुकी है। बावजूद इसके उनके जॉब कार्ड संख्या 1900 के आधार पर मजदूरी की राशि का भुगतान कर दिया गया था। जांच में सामने आया कि 17,511 रुपये की राशि बाद में वापस कराकर मनरेगा के राज्य स्तरीय खाते में जमा करा दी गई। जांच रिपोर्ट में यह भी सवाल उठाया गया कि मृत महिला के नाम पर एनएमएमएस (NMMS) उपस्थिति किस आधार पर दर्ज की गई। इससे मामले में लापरवाही और संभावित मिलीभगत की आशंका जताई गई। जांच प्रतिवेदन के आधार पर तत्कालीन कार्यक्रम पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, कनीय अभियंता कन्हैया कुमार, तत्कालीन प्रभारी लेखापाल रवि कुमार, पंचायत तकनीकी सहायक उपेंद्र कुमार, पंचायत रोजगार सेवक राजेश कुमार सहित संबंधित मेट और बीएफटी से स्पष्टीकरण मांगा गया। स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कार्रवाई की गई। उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने विभागीय प्रावधानों के तहत विभिन्न स्तरों पर दंड अधिरोपित किया है। इसके तहत तत्कालीन कार्यक्रम पदाधिकारी को लिखित चेतावनी दी गई है। कनीय अभियंता और पंचायत तकनीकी सहायक के परफॉर्मेंस इंसेंटिव में कटौती की गई है। वहीं कार्यपालक सहायक सह तत्कालीन प्रभारी लेखापाल तथा पंचायत रोजगार सेवक के मानदेय में एक वर्ष तक पांच प्रतिशत कटौती का आदेश दिया गया है। इसके अतिरिक्त संबंधित मेट को कार्य से मुक्त कर दिया गया है। कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) तुरकौलिया को निर्देश दिया गया है कि पंचायत में नए मेट का चयन कर कार्य संचालन सुनिश्चित करें तथा इसकी रिपोर्ट कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

नीलाम देनदारों के विरुद्ध डीडीसी का सख्त कदम, 30 बड़े बकायदारों की गिरफ्तारी के लिए वारंट

बीएनएम @ मोतिहारी

उप विकास आयुक्त सह नीलाम पत्र पदाधिकारी डॉ. मुकेश कुमार सिन्हा ने नीलाम पत्र वाद के तहत बड़े बकायदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई शुरू की है। बकाया राशि की वसूली को लेकर 30 बड़े देनदारों की गिरफ्तारी के लिए वारंट पहले ही निर्गत किए जा चुके हैं। डीडीसी डॉ. मुकेश कुमार सिन्हा ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात को पत्र भेजकर सभी वारंटियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया है। इसके लिए जिले के 30 बड़े बकायदारों की सूची पुलिस अधीक्षक कार्यालय को भेजी गई है। इन बकायदारों में हिंदू चकिया के संजीव कुमार पांडे, बेलवा घोड़ासहन के विजय शंकर प्रसाद, हिरमनी के प्रवेश आलम, हरिहारा के सिकंदर राम, सुगांव के सोनू कुमार, जीहुली के रजनीश कुमार सिंह, राजा बाजार के संजय कुमार तिवारी, कौरीहार चौक की कांति देवी, सरिता देवी, लक्ष्मीपुर के सोमेश्वर शाह, मटियारिया के ईश्वर चंद्र प्रसाद, रामपुरवा के विकास कुमार, जामा रोड के सुनील कुमार गुप्ता, गोपालपुर के मधु शंकर, नकछेद टोला के दिनेश प्रसाद, बलुआ टाल के अशोक कुमार सिंह, नाग रोड के प्रिंस कुमार गुप्ता, पनटोका के जोगेंद्र प्रसाद, बरियारपुर के प्रमोद कुमार गुप्ता, भेलवा के ओम प्रकाश प्रसाद, छतौनी वार्ड संख्या 18 के दीपक कुमार, कमालपुर के रूपेश कुमार, दीपही के लोकेश कुमार सिंह, गुलबारा के रंजन कुमार सिंह, मिठनपुरा के नरेश राय, चैनपुर के मुकेश कुमार, रानी छपरा के सुभाष प्रसाद, जगिराहा के जगन्नाथ राय व हरेंद्र राय तथा बाड़कुरवा की अफसानी खातून शामिल हैं। डीडीसी ने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया है कि निर्गत वारंट के आधार पर सभी वारंटियों की जल्द गिरफ्तारी कराई जाए, ताकि बकाया राशि की वसूली की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके।

भिवाड़ी केमिकल फैक्ट्री अग्निकांड: मृतकों के आश्रितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख की सहायता

बीएनएम @ मोतिहारी

राजस्थान के भिवाड़ी स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने से हुई दुर्घटना में पूर्वी चंपारण जिले के सात श्रमिकों की मौत हो गई थी। इनमें हरसिद्धि अंचल के पांच, घोड़ासहन अंचल के एक तथा चिरैया अंचल के एक व्यक्ति शामिल थे। इस घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री, बिहार सरकार ने मृतकों के निकटतम आश्रितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह सहायता देने की घोषणा की थी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर सोमवार को सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने मृतकों के परिजनों को चेक प्रदान किया। हरसिद्धि अंचल के मृतकों के आश्रितों में नीतू देवी, मीना कुमारी, सेमा देवी, रीता देवी और पिंदा देवी को सहायता राशि दी गई। वहीं घोड़ासहन अंचल की देवंती देवी तथा चिरैया अंचल के शिवजी पासवान को भी दो-दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि सभी मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके घर तक पहुंचाने में प्रशासन ने सहयोग किया तथा परिजनों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई। किसी भी आपात स्थिति में जिला आपातकालीन संचालन केंद्र, पूर्वी चंपारण के दूरभाष नंबर 06252-242418 पर संपर्क किया जा सकता है।

जसौली पट्टी में होगा 25 मार्च से चंपारण सत्याग्रह महोत्सव

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी की जसौली पट्टी यात्रा की स्मृति में जिला के कोटवा प्रखंड के जसौली पट्टी में चंपारण सत्याग्रह महोत्सव की तैयारी हेतु राधाकृष्णन भवन में बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी सदर द्वारा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से आयोजन की तिथि 25, 26 एवं 27 मार्च को निर्धारित की गई। आयोजन स्थल पर सभी विभागों के लोक कल्याणकारी योजनाओं का स्टॉल भी लगाया जाएगा। बैठक में स्थानीय विधायक कल्याणपुर सचिंद्र प्रसाद सिंह ने महोत्सव को भव्य एवं आकर्ष रूप से मनाने का विचार रखा। बैठक में सांसद प्रतिनिधि डॉ. लालबाबू प्रसाद, जिला परिवहन पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक, जिला महामारी पदाधिकारी, प्रमुख प्रतिनिधि सुनील कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी कोटवा, संजय पाण्डेय, अभय अनंत रंगकर्मी, विनय कुमार आदि उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर माहेर ममता निवास में सेवा और संवेदना का संगम

बीएनएम @ रक्सौल

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लायंस क्लब इंटरनेशनल से जुड़े लायंस क्लब रक्सौल (भारत) और बीरगंज (नेपाल) के संयुक्त तत्वावधान में शहर के बाईपास रोड स्थित माहेर ममता निवास में रह रही असहाय, निराश्रित एवं निःशक्त महिलाओं के साथ सम्मानपूर्वक महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। दीप प्रज्वलन लायन बिमल कुमार सर्राफ, लायन मोहम्मद निजामुद्दीन, लायन डॉ. सुशील सिंह, लायन पिया सिंह, लायन प्रभात आनंद सिंह, लायन प्रसिद्धि आनंद सिंह तथा हरैया थाना प्रभारी किशन पासवान सहित अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब रक्सौल की ओर से महिलाओं के बीच वस्त्र एवं पौष्टिक अल्पाहार का वितरण किया गया। वहीं नेपाल के बीरगंज स्थित लायंस क्लब ऑफ सेस्मी एकेडमी की ओर से आटा, चावल, आलू, प्याज सहित अन्य खाद्य सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लायंस क्लब रक्सौल के अध्यक्ष लायन बिमल कुमार सर्राफ, लायन मोहम्मद निजामुद्दीन एवं लायन डॉ. सुशील सिंह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति समाज की प्रतिबद्धता को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सदियों से सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध रहे हैं और इस तरह के संयुक्त आयोजन से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होते हैं। लायंस क्लब ऑफ सेस्मी एकेडमी, बीरगंज की अध्यक्षा लायन पिया सिंह ने कहा कि समाज के वंचित वर्ग की सेवा ही सच्ची मानवता है और महिला दिवस पर जरूरतमंद महिलाओं के बीच सहयोग का यह प्रयास सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया गया तथा महिला दिवस के उपलक्ष्य में केक काटकर एक-दूसरे को बधाई दी गई। साथ ही माहेर ममता निवास में रह रही महिलाओं से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। मौके पर लायंस क्लब रक्सौल की सदस्य लायन पूनम सर्राफ, हरैया थाना प्रभारी किशन पासवान, प्रशिक्षु दारोगा कुमारी बिट्टू, अवर थाना प्रभारी सोना लाल कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं माहेर ममता निवास के परियोजना प्रभारी वीरेंद्र कुमार, लेखापाल सुप्रिया बोदरा, चालक छोटे लाल माली तथा हरैया थाना के पुलिस बल की भी उपस्थिति रही।

एमजीसीयूबी ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित 'सबका साथ, सबका विकास' ऑनलाइन संगोष्ठी में किया प्रतिभाग

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली तथा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित "सबका साथ, सबका विकास – फुलफिलिंग एस्पिरेशन ऑफ पीपुल" विषयक पोस्ट-बजट आनलाइन वेबिनार में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शोधार्थियों ने आभासी माध्यम से सहभागिता की। इस वेबिनार में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वेबिनार का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे ऑनलाइन माध्यम (वेबेक्स) पर हुआ। इस अवसर पर सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुजीत कुमार चौधरी के नेतृत्व में समाज कार्य विभाग, संस्कृत विभाग तथा समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की। वेबिनार के प्रथम सत्र में "फाइव यूनिवर्सिटी टाउनशिप", "गर्ल्स हॉस्टल इन एवरी डिस्ट्रिक्ट फॉर STEM इंस्टीट्यूशन्स" तथा "दिव्यांगजन कौशल योजना" जैसे विषयों पर आभासी माध्यम से विभिन्न विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के नीति विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने वेबिनार में हुई चर्चा के संदर्भ में कहा कि इससे विश्वविद्यालय में नई पहलों को आगे बढ़ाने की दिशा मिलेगी। इस अवसर पर गांधी भवन के निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्र-छात्राओं तथा दिव्यांगजनों को विशेष सुविधाएँ प्राप्त होंगी। प्रो. सुजीत कुमार चौधरी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से छात्र-छात्राओं में अभ्यास-आधारित शिक्षा का विकास होता है तथा उनमें जागरूकता बढ़ती है। इस वेबिनार में विशेष रूप से समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनुपम कुमार वर्मा, डॉ. उपमेश कुमार तलवार, डॉ. मृत्युंजय, शोधार्थी मनीष त्रिगुणायत, रंजू सहित अनेक छात्र-छात्राएँ और शोधार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन की ठोकर से युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के घीउवाढार स्थित पेट्रोल पंप के पास सोमवार को हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बताया जाता है कि अज्ञात वाहन की ठोकर से यह दुर्घटना हुई। मृतक की पहचान तुरकौलिया थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर बैरिया गांव निवासी ध्रुव राम के पुत्र गुड्डू कुमार के रूप में की गई है। चश्मदीदों के अनुसार गुड्डू कुमार अपनी बाइक से ससुराल से घर लौट रहा था। उसकी ससुराल हरसिद्धि थाना क्षेत्र के यादोपुर पंचायत के चैनपुर गांव में है। बताया जाता है कि घीउवाढार पेट्रोल पंप के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा अज्ञात वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ।

हत्या के प्रयास कांड में दो अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ घोड़ासहन। थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास से जुड़े एक मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। दोनों को न्यायिक प्रक्रिया के लिए अग्रिम कार्रवाई करते हुए हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई घोड़ासहन थाना कांड संख्या 107/26 के तहत की गई। मामले में हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिरफ्तार अभियुक्तों में अजय कुमार, पिता रामचंद्र पासवान तथा बीरेन्द्र पासवान, पिता चंद्रदेव पासवान शामिल हैं। दोनों घोड़ासहन थाना क्षेत्र के शेखौना गांव के निवासी बताए जाते हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों अभियुक्तों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शराब पीने के आरोप में आठ व्यक्ति गिरफ्तार

बीएनएम @ बंजरिया। थाना क्षेत्र में मद्यनिषेध कानून के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शराब पीने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई बंजरिया थाना कांड संख्या 170/26 के तहत की गई। जांच के दौरान शराब पीने की पुष्टि होने पर सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। थाना पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार सभी व्यक्तियों के विरुद्ध मद्यनिषेध अधिनियम के तहत अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

सहरसा की पूजा बनीं लोकसभा सह कोऑर्डिनेटर

बीएनएम @ सहरसा। सनातन बोर्ड परिषद ने धर्म की मजबूती और संगठन के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सहरसा की पूजा कुमारी को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। परिषद के बिहार प्रदेश संगठन मंत्री सह कोऑर्डिनेटर देवानंद मिश्र ने उन्हें सनातन बोर्ड परिषद का लोकसभा सह कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। इस नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म के अनुयायियों को एकजुट करना और संगठन के विचारों का विश्व स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करना है।देवानंद मिश्र ने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त सह कोऑर्डिनेटर अपने पद का सदुपयोग कर धर्म और संघ के संरक्षण में सक्रिय सहयोग देंगी। वहीं, पूजा कुमारी ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए संकल्प लिया कि वह इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगी। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य सनातन धर्म के संवर्धन के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहना और अधिक से अधिक लोगों को परिषद से जोड़कर संगठन की शक्ति को बढ़ाना है।

14 मार्च को सजेगी साल की पहली नेशनल लोक अदालत

बीएनएम @ बेतिया: बेतिया में वर्ष की पहली नेशनल लोक अदालत की तैयारियाँ जोरों पर हैं, जिसका आयोजन आगामी 14 मार्च को किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अमरेंद्र कुमार राज ने बताया कि प्रधान जिला जज अनामिका टी के निर्देशन में कोर्ट केस और प्री-लिटिगेशन से संबंधित मामलों को चिह्नित कर पक्षकारों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। इन नोटिसों का तामिला थाना स्तर के नोडल अधिकारियों के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है।इस बार पिछले वर्षों की तुलना में अधिक वादों के निपटारे का लक्ष्य रखा गया है। बैंक और अन्य सरकारी विभाग भी अपने स्तर पर समझौता वार्ता के लिए पक्षकारों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। सचिव ने स्पष्ट किया कि यदि किसी पक्षकार को औपचारिक नोटिस नहीं मिला है, तब भी वे 14 मार्च को न्यायालय परिसर में उपस्थित होकर 'ऑन द स्पॉट' अपने सुलहनीय वादों का निपटारा करा सकते हैं। किसी भी असुविधा की स्थिति में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

भाजपा ने 10 राज्यों के लिए नियुक्त किए केंद्रीय पर्यवेक्षक

बीएनएम @ पटना: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर होने वाले आगामी चुनावों के लिए अपनी चुनावी बिसात बिछा दी है। इसी रणनीति के तहत पार्टी ने बिहार, ओडिशा, हरियाणा और पश्चिम बंगाल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। विशेष रूप से बिहार की पांच सीटों के लिए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये पर्यवेक्षक न केवल पार्टी की रणनीति और समन्वय की निगरानी करेंगे, बल्कि विधायकों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर जीत सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे।निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि आज निर्धारित है, जिससे चुनावी तस्वीर और भी स्पष्ट हो जाएगी। मतदान की प्रक्रिया 16 मार्च 2026 को संपन्न होगी और उसी दिन परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। भाजपा का यह कदम राज्य स्तर पर किसी भी संभावित सेंधमारी को रोकने और अपने उम्मीदवारों के लिए अधिकतम समर्थन जुटाने की एक सोची-समझी कवायद है।

मऊ-छपरा पैसेंजर से दो शराब तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ सीवान: बिहार में पूर्ण शराबबंदी को प्रभावी बनाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल की टास्क टीम ने सीवान में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। वाराणसी मंडल के सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत मऊ–छपरा पैसेंजर ट्रेन (55102) में छापेमारी की गई। आरपीएफ पोस्ट सीवान के प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव के नेतृत्व में टीम ने मैरवा और जीरादेई स्टेशनों के बीच साधारण कोच की तलाशी ली, जहाँ दो संदिग्धों के पास से प्लास्टिक के झोलों में छिपाई गई 16 लीटर देसी शराब बरामद हुई। जब्त की गई "बंटी बबली लाइम" ब्रांड की 80 बोतलों की कुल कीमत करीब 4400 रुपये है।पकड़े गए तस्करों की पहचान सीवान के झगरू महतो और गोपालगंज के दिनेश कुमार के रूप में हुई है। आरपीएफ ने दोनों आरोपियों और जब्त शराब को जीआरपी सीवान को सौंप दिया है, जहाँ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस सफल कार्रवाई ने ट्रेनों के जरिए तस्करी करने वालों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है

गर्मी से निपटने के लिए चापाकल मरम्मति का महाभियान शुरू

बीएनएम @ बेतिया। गर्मी के मौसम में भीषण तपिश और जलस्तर गिरने की आशंका को देखते हुए बेतिया जिला प्रशासन ने पेयजल संकट से निपटने के लिए कमर कस ली है। लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बेतिया के माध्यम से जिले के सभी प्रखंडों में सरकारी चापाकलों की मरम्मति का विशेष अभियान युद्धस्तर पर शुरू किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर खराब पड़े चापाकलों को दुरुस्त कर गांव-गांव तक स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।कार्यपालक अभियंता ने बताया कि आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला स्तर पर एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यदि किसी क्षेत्र में सरकारी चापाकल खराब है, तो नागरिक मोबाइल नंबर 94718 07001 पर इसकी सूचना दे सकते हैं।

मिशन परिवार विकास के अंतर्गत यूपीएचसी उतरवारी पोखरा में जागरुकता सह स्वास्थ्य मेला का आयोजन

बीएनएम @ बेतिया

» जिले में 20 मार्च तक चलेगा मिशन परिवार विकास अभियान
» घर-घर जाकर आधुनिक गर्भनिरोधक साधनों की जानकारी देंगी आशा कार्यकर्ता

परिवार नयोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मिशन परिवार विकास अभियान के तहत यूपीएचसी उतरवारी पोखरा में जागरुकता सह स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एसीएमओ डॉ. रमेश चंद्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्यकर्मी तथा बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसीएमओ डॉ. रमेश चंद्रा ने कहा कि छोटा और संतुलित परिवार स्वस्थ समाज की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि परिवार नियोजन अपनाने से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आती है तथा परिवार का आर्थिक और सामाजिक विकास भी बेहतर ढंग से सभंव हो पाता है। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया कि वे गांव गांव जाकर योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई साधनों के बारे में जागरूक करें। इस अवसर पर एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्र में योग्य दंपतियों से संपर्क कर उन्हें परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों का जानकारी देने का निर्देश दिया गया। अस्थाई साधनों के रूप में कंडोम, माला-एन और छाया गोली का वितरण किया जाएगा। वहीं जरूरतमंद लाभार्थियों को अंतरा (एमपीए) इंजेक्शन, इंप्लांट और कॉपर-टी जैसी आधुनिक गर्भनिरोधक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अतिरिक्त जो दंपति स्थाई साधन अपनाना चाहते है, उन्हें महिला बंध्याकरण और पुरुष नसबंदी के लिए प्रखंड एवं जिला अस्पताल तक लाने की जिम्मेदारी भी आशा कार्यकर्ताओं को दी गई है। विदित हो कि मिशन परिवार विकास अभियान जिले में 6 मार्च से 20 मार्च तक संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाकर योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के साधन अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही स्वास्थ्यकर्मियों को लक्षित कार्य भी सौंपे गए है। प्रत्येक एएनएम को 10 पीपीआईयूसीडी/ आईयूसीडी तथा अंतरा (एमपीए) सेवाएं सुनिश्चित करनी होगी। वहीं प्रत्येक आशा कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र में कम से कम 5 महिला बंध्याकरण, 2 पुरुष नसबंदी, 5 अंतरा (एमपीए) तथा 5 पीपीआईयूसीडी/ आईयूसीडी सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया है। अभियान को सफल बनाने के लिए अन्य विभागों और संस्थाओं का भी सहयोग लिया जा रहा है। बाल विकास परयोजना, विकास मित्र, नेहरू युवा केंद्र तथा जीविका समूह को भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए कहा गया है, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक परिवार नियोजन की जानकारी पहुंचाई जा सके। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाना, भ्रांतियों को दूर करना तथा स्वस्थ और खुशहाल परिवार के निर्माण में जनभागीदारी को सुनिश्चित करना है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे परिवार नियोजन के सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीकों को अपनाकर अपने परिवार और समाज के बेहतर भविष्य में योगदान दें। इस अवसर पर एसीएमओ डॉ. रमेश चंद्रा, एमओआईसी डॉ. बीरेंद्र कुमार, एमओ डॉ. अभजीत कुमार, बीएचएम रिंकी कुमारी, बीसीएम समीर आलम, जिला स्तर के अन्य अधिकारी तथा पीएसआई इंडिया और पीरामल फाउंडेशन के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीवान में तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आगाज़

बीएनएम @ सीवान

भारत की जनगणना 2027 की तैयारियों के मद्देनजर सोमवार को सीवान समाहरणालय स्थित अंबेडकर भवन के संवाद कक्ष में गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आगाज हुआ। जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसमें जनगणना कार्य के लिए नामित पदाधिकारियों और शासकीय सेवकों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। यह प्रशिक्षण अभियान दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है ताकि पूरी प्रक्रिया को सटीक, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा सके।प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 9 मार्च से 11 मार्च 2026 तक चलेगा, जिसमें आईटी मैनेजर, एनआईसी अभियंता और जनगणना कोषांग के कर्मियों सहित कुल 63 प्रतिभागी शामिल हैं। इसके तुरंत बाद, द्वितीय बैच का प्रशिक्षण 12 मार्च से 14 मार्च तक आयोजित होगा, जिसमें जिले के वरिष्ठ अधिकारी जैसे अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी और विभिन्न अंचलों के अंचल पदाधिकारी सहित कुल 69 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। सुबह 9:30 से शाम 5:00 बजे तक चलने वाले इस सत्र में निदेशालय स्तर के प्रशिक्षकों द्वारा आधुनिक तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है। प्रशासन का मुख्य लक्ष्य आगामी राष्ट्रीय जनगणना को बिना किसी त्रुटि के सुचारू रूप से संपन्न करना है।

एक सप्ताह में सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को बिजली और पानी से करें संतृप्तः डीएम

बड़े बकायेदारों पर गिरेगी गाज, बॉडी वारंट तामील करने का सख्त निर्देश

बीएनएम @ पश्चिम चंपारण

पश्चिम चंपारण के जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने समाहरणालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कड़ा रुख अख्तियार करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने नीलाम पत्र पदाधिकारियों को आदेश दिया कि जिन बकायेदारों के विरुद्ध बॉडी वारंट निर्गत हैं, उन्हें अविलंब गिरफ्तार कराया जाए। साथ ही, पुराने मामलों में तत्काल वारंट जारी करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया।सहकारिता विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी पैक्सों और राइस मिलों का दो दिनों के भीतर भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट मांगी। शिक्षा विभाग को अनुकंपा नियुक्ति के लंबित मामलों को जल्द निपटाने और आगामी बिहार दिवस की तैयारी हेतु समिति गठित करने का निर्देश दिया गया। विद्युत विभाग को निर्देश दिया गया कि वे अधिक बिल वाले उपभोक्ताओं को 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के प्रति जागरूक करें और एक सप्ताह के भीतर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली कनेक्शन सुनिश्चित करें।पीएचईडी और आईसीडीएस विभाग को आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था दुरुस्त करने का जिम्मा सौंपा गया। जिलाधिकारी ने 'प्रशासन आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत प्राप्त आवेदनों के त्वरित निष्पादन पर जोर दिया। बैठक में अनधिकृत रूप से अनुपस्थित और कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों का वेतन स्थगित करते हुए उन्हें शोकॉज जारी करने का आदेश दिया गया। बैठक में नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित, अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा और अन्य जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

रोजगार मेले में युवाओं को मिले अधिकतम अवसरः डीएम

बीएनएम @ जमुई

जमुई जिले के शिक्षित और बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए आजीविका प्राप्त करने का एक बेहतरीन अवसर सामने आया है। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत जिला नियोजनालय द्वारा आगामी 13 मार्च 2026 को एक दिवसीय विशेष रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सोनपे स्थित संयुक्त श्रम भवन के परिसर में संपन्न होगा, जहां विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थान और कंपनियां युवाओं का चयन करेंगी। जिला नियोजन पदाधिकारी के अनुसार, इस विशेष शिविर में लगभग 12 नियोजक सम्मिलित होंगे, जिनका लक्ष्य करीब 250 युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है।इस नियोजन मेले में सुरक्षा सेवाओं, भारतीय जीवन बीमा निगम, शैक्षणिक संस्थानों, सूक्ष्म वित्त कंपनियों, स्वास्थ्य केंद्रों, निर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्र की बड़ी कंपनियों, इलेक्ट्रॉनिक शोरूम और ऑटोमोबाइल क्षेत्र के प्रमुख संस्थान भाग लेंगे। जिला नियोजनालय ने स्पष्ट किया है कि इस शिविर में वही अभ्यर्थी शामिल हो सकेंगे जिन्होंने नियोजनालय में अपना पूर्व पंजीकरण करा लिया है। इच्छुक उम्मीदवारों को अपनी शैक्षणिक योग्यता के मूल प्रमाणपत्रों, आधार कार्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन की इस पहल से जिले के युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिलने की उम्मीद है।

आज से 10 जिलों के दौरे पर निकलेंगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

बीएनएम @ पटना

बिहार में राज्यसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर जनता के बीच अपनी पैठ मजबूत करने के लिए 'समृद्धि यात्रा' के तीसरे चरण पर निकलने वाले हैं। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, यह यात्रा 10 मार्च से 14 मार्च 2026 तक चलेगी, जिसमें मुख्यमंत्री प्रदेश के 10 जिलों का दौरा करेंगे। यात्रा का आगाज़ 10 मार्च को सुपौल से होगा, जिसके बाद वे मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, खगड़िया, बेगूसराय और अंत में शेखपुरा जाएंगे।इस पांच दिवसीय दौरे का मुख्य उद्देश्य जमीन पर विकास कार्यों की हकीकत जानना है। नीतीश कुमार 'सात निश्चय' योजना और अन्य प्रगति योजनाओं का स्थल निरीक्षण करेंगे। साथ ही, वे कई नई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे। इस दौरान जिलास्तरीय समीक्षा बैठकें और जनसंवाद कार्यक्रम भी आयोजित होंगे, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुँच सके। यह यात्रा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यह सीधे तौर पर शासन और जनता के बीच जुड़ाव को दर्शाती है।

पुलिस और जनता के समन्वय से ही समाज में कायम होगी शांति : विधायक

बीएनएम @ बेतिया

लौरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए सोमवार का दिन महत्वपूर्ण रहा, जहाँ शनिचरी थाना के नवनिर्मित भवन का भव्य उद्घाटन भाजपा विधायक विनय बिहारी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि नए और आधुनिक सुविधाओं से लैस थाना भवन के संचालन से न केवल पुलिस प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था भी पहले से अधिक सुदृढ़ होगी। विधायक ने इस बात पर जोर दिया कि एक सुरक्षित समाज के लिए पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय होना अनिवार्य है।विधायक विनय बिहारी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह नया भवन आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक बेहतर वातावरण प्रदान करेगा और पुलिस बल क्षेत्र की सेवा व न्याय के लिए सदैव तत्पर रहेगा। उद्घाटन समारोह के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरीय पुलिस पदाधिकारी और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे, जिन्हें विधायक ने इस उपलब्धि के लिए धन्यवाद दिया।

अवैध खनन और शराब तस्करों की खैर नहीं: एसपी

बीएनएम @ बगहा

बगहा के पुलिस अधीक्षक रामानंद कौशल की अध्यक्षता में आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी में जिले की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की गई। बैठक में एसपी ने सभी थानाध्यक्षों और पुलिस अधिकारियों को लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन, गश्ती बढ़ाने, और अवैध बालू खनन के खिलाफ कड़ी छापेमारी करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही डायल-112 की सक्रियता और मद्यनिषेध अभियान के तहत शराब तस्करों पर नकेल कसने पर विशेष जोर दिया गया।एसपी ने फरवरी 2026 की उपलब्धियों को साझा करते हुए बताया कि जिले में कुल 276 गिरफ्तारियां की गई हैं, जिनमें 146 कांडों के आरोपी और 131 वारंटी शामिल हैं। पुलिस ने वाहन जांच के दौरान 27,72,000 रुपये का जुर्माना वसूला और 1517.775 लीटर अवैध शराब बरामद की। साथ ही, 274 जमानती और 495 गैर-जमानती वारंटों का निष्पादन किया गया। बैठक में एसडीपीओ बगहा कुमार देवेंद्र, रामनगर एसडीपीओ रागिनी कुमारी सहित जिले के सभी थानाध्यक्ष मौजूद रहे, जिन्हें विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त दिशा-निर्देश दिए गए।

डीएम ने जनसुनवाई में सुनीं 55 शिकायतें

बीएनएम @ बेतिया

पश्चिम चंपारण के जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने आज समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में 'जनसुनवाई' कार्यक्रम के माध्यम से आम जनता की समस्याओं का सीधा समाधान किया। यह कार्यक्रम राज्य सरकार के सात निश्चय-3 के अंतर्गत संचालित 'सबका सम्मान–जीवन आसान' अभियान के तहत आयोजित किया गया था। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से आए फरियादियों ने जिलाधिकारी के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं।जनसुनवाई में भूमि विवाद, राजस्व मामले, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, सड़क और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कुल 55 शिकायतों की गंभीरता से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया, जिससे लोगों को तत्काल राहत मिली। अन्य लंबित मामलों के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए।डीएम ने स्पष्ट किया कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर पहुँचने वालों में राजेंद्र प्रसाद, बृजेश यादव, गौरी देवी और लक्ष्मी मांझी जैसे दर्जनों ग्रामीण शामिल थे।

ट्रंप के मूड की तलवार

इस दौर में अमेरिका के साथ हुए हर समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा राष्ट्रपति ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है। फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप के कदमों पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है। अमेरिका ने अब भारत से सौर ऊर्जा से संबंधित पाट-पुर्जों के आयात पर 126 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इसे भारत के फूलते-फलते सौर उद्योग पर घातक प्रहार समझा गया है। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ये कदम उस समय उठाया, जब अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टैरिफ वॉर के स्वरूप को लेकर अनिश्चय है। ट्रंप ने जिस कानून के तहत दंडात्मक आयात शुल्क लगाए थे, सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैध ठहरा दिया। उसके बाद ट्रंप ने दूसरे कानून के तहत सभी देशों पर दस फीसदी टैरिफ लगाया। बाद में कहा गया कि वे इसे 15 फीसदी तक ले जाएंगे। अब बताया गया है कि आम टैरिफ 10 फीसदी रहेगा और ट्रंप बाकी पांच फीसदी का इस्तेमाल विभिन्न देशों के रुख के हिसाब से करेंगे। इस बीच अलग-अलग उत्पादों (मसलन स्टील) पर लगाए गए शुल्क जारी रहेंगे और नए शुल्क भी ट्रंप लगाते रहेंगे, जैसाकि अब उन्होंने सौर ऊर्जा से संबंधित पाट-पुर्जों पर लगाया है। ऐसे में भारत सहित हर देश के सामने यह प्रश्न है कि ट्रंप प्रशासन से द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने का क्या औचित्य है? किसी समझौते के तहत हुई लेनदेन से देश के अधिकांश उद्योगों और अर्थव्यवस्था के ज्यादातर क्षेत्रों को लाभ ना हो रहा हो, तो वैसा समझौता करने की ललक क्यों दिखाई जानी चाहिए? मुद्दा यह भी है कि इस दौर में अमेरिका के साथ हुए समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है। फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप जो कर रहे हैं, उस पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय जाहिर हुआ है कि शासन की सभी संस्थाओं के बीच उन कदमों की वैधानिकता पर आम समझ का अभाव है। इसलिए भारत सरकार को ताजा स्थितियों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। अभी भी समय है कि वह पहले इस बारे में देश को भरोसे में ले और राजनीतिक आम सहमति तैयार करे। वरना, समझौते के प्रति उसके उत्साह पर सवाल उठते रहेंगे।

भारत की औद्योगिक सुरक्षा का सशक्त प्रहरी सीआईएसएफ

कांतिलाल मांडोत

भारत के विकास की गति केवल आर्थिक योजनाओं और औद्योगिक विस्तार से तय नहीं होती बल्कि उन संस्थानों की सुरक्षा से भी तय होती है जो देश की आर्थिक शक्ति के आधार हैं। किसी भी राष्ट्र की प्रगति तभी स्थायी और सुरक्षित हो सकती है जब उसके महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान पूरी तरह सुरक्षित हों। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की स्थापना की गई। यह बल आज देश की औद्योगिक संरचना की सुरक्षा का सबसे मजबूत आधार बन चुका है और राष्ट्रीय विकास को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सीआईएसएफ का स्थापना दिवस प्रतिवर्ष 10 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन उन हजारों जवानों के साहस अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को सम्मान देने का अवसर है जो देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2025 में 56वाँ स्थापना दिवस तमिलनाडु के थक्कोलम में आयोजित किया गया जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सीआईएसएफ की स्थापना 10 मार्च 1969 को संसद द्वारा पारित कानून के अंतर्गत की गई थी। उस समय देश में सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की आवश्यकता तेजी से महसूस की जा रही थी। प्रारंभ में इस बल में केवल तीन बटालियन और लगभग 2800 कर्मी थे। उस समय इसकी भूमिका सीमित थी लेकिन इसका उद्देश्य स्पष्ट था कि देश की औद्योगिक और रणनीतिक संपत्तियों को सुरक्षित रखा जाए। समय के साथ भारत के औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ और उसके साथ ही सीआईएसएफ की जिम्मेदारियाँ भी बढ़ती चली गईं। आज यह बल लगभग दो लाख कर्मियों की शक्ति के साथ देश के सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा संगठनों में शामिल हो चुका है। यह बल देश के 70 से अधिक हवाई अड्डों और सैकड़ों महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात है। इसकी कार्यक्षमता और अनुशासन के कारण इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र का एक मजबूत स्तंभ माना जाता है। सीआईएसएफ की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना है। भारत के पेट्रोलियम संयंत्र इस्पात उद्योग कोयला खदान और ऊर्जा केंद्र देश की आर्थिक रीढ़ हैं। इन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इन पर किसी भी प्रकार का खतरा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। सीआईएसएफ के प्रशिक्षित जवान इन क्षेत्रों में चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संभावित खतरे को रोकने का कार्य करते हैं। यह बल देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों की सुरक्षा भी करता है। ऐसे संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रगति के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। सीआईएसएफ आधुनिक निगरानी प्रणाली तकनीकी उपकरणों और विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से इन संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। हवाई अड्डों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विमानन क्षेत्र में सुरक्षा सबसे संवेदनशील विषयों मंष से एक है क्योंकि यह सीधे लाखों यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा होता है। सीआईएसएफ के जवान यात्रियों की जांच सामान की स्कैनिंग और परिसर की निगरानी जैसे कार्यों को अत्यंत सावधानी और अनुशासन के साथ निभाते हैं। इसी प्रकार मेट्रो रेल नेटवर्क की सुरक्षा भी सीआईएसएफ की जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत के कई महानगरों में लाखों लोग प्रतिदिन मेट्रो सेवाओं का उपयोग करते हैं। ऐसी स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। सीआईएसएफ के जवान मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों में सतर्कता के साथ सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करते हैं। सीआईएसएफ केवल औद्योगिक और परिवहन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि यह देश की सांस्कृतिक धरोहरों और महत्वपूर्ण सरकारी भवनों की सुरक्षा भी करता है। विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल सहित कई ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह बल पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ राष्ट्रीय धरोहरों की रक्षा का कार्य भी करता है। समय के साथ बदलती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए सीआईएसएफ ने स्वयं को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाया है। ड्रोन निगरानी डिजिटल सुरक्षा प्रणाली और आधुनिक हथियारों के उपयोग के माध्यम से यह बल अपनी क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है। सुरक्षा के क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाने के कारण यह बल आधुनिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बन रहा है। सरकार ने सीआईएसएफ को हाइब्रिड मॉडल के माध्यम से और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया है। इस मॉडल के अंतर्गत अब निजी औद्योगिक संस्थानों को भी सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे देश के औद्योगिक ढांचे की सुरक्षा और अधिक व्यापक और मजबूत हो सकेगी। सीआईएसएफ के जवानों का प्रशिक्षण भी अत्यंत कठोर और व्यवस्थित होता है। भर्ती प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता को विशेष महत्व दिया जाता है ताकि जवान हर परिस्थिति में सक्षम और सक्रिय रह सकें। नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास के माध्यम से उन्हें आधुनिक सुरक्षा तकनीकों और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार किया जाता है। देश की आंतरिक सुरक्षा में भी सीआईएसएफ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के साथ समन्वय कर इसने कई अभियानों में सहयोग दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में इस बल की सक्रिय भूमिका ने इसे एक विश्वसनीय सुरक्षा संस्था के रूप में स्थापित किया है। सीआईएसएफ का आदर्श वाक्य संरक्षण और सुरक्षा है। यह केवल एक नारा नहीं बल्कि बल के प्रत्येक जवान की कार्य भावना का प्रतीक है। सीआईएसएफ के जवान हर परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। उनके साहस अनुशासन और समर्पण के कारण ही देश की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियाँ सुरक्षित रह पाती हैं। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए औद्योगिक विकास और आर्थिक विस्तार अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में देश के औद्योगिक और रणनीतिक संस्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाला एक मजबूत सुरक्षा बल भी उतना ही आवश्यक है। सीआईएसएफ इस दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह बल न केवल औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है बल्कि राष्ट्रीय विकास को सुरक्षित बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अंततः यह कहा जा सकता है कि सीआईएसएफ भारत की औद्योगिक सुरक्षा का एक मजबूत स्तंभ है। स्थापना के समय सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह बल आज देश की सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। अनुशासन साहस और समर्पण की भावना से प्रेरित इसके जवान राष्ट्र की सेवा में निरंतर कार्य कर रहे हैं और भारत के विकास को सुरक्षित और स्थिर बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

राजनीतिक घृणा की अति और देश की प्रतिष्ठा

डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र में असहमति और आलोचना को एक स्वस्थ परंपरा माना जाता है। सत्ता में बैठी सरकार, उसके निर्णयों और उसके नेतृत्व पर सवाल उठाना नागरिकों का अधिकार भी है और लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण भी। लेकिन जब आलोचना की सीमाएँ टूटकर व्यक्तिगत कटाक्ष, उपहास और अपमान तक पहुँच जाती हैं, तब यह केवल राजनीतिक असहमति नहीं रह जाती, बल्कि एक ऐसी मानसिकता का रूप ले लेती है जो लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करती है। हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में वैचारिक मतभेदों की जगह कटुता और घृणा ने तेजी से स्थान बना लिया है। किसी भी घटना, उपलब्धि या राष्ट्रीय आयोजन को देखने से पहले उसे राजनीतिक चश्मे से परखने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि कई बार देश से जुड़ी उपलब्धियों या आयोजनों को भी कुछ लोग केवल इसलिए तिरस्कार की दृष्टि से देखने लगते हैं क्योंकि उनका संबंध उस नेतृत्व या सरकार से जोड़ दिया जाता है जिससे वे वैचारिक रूप से असहमत होते हैं। खेल के मैदान को सामान्यतः राजनीति से अलग माना जाता है। खेल में प्रतिस्पर्धा होती है, हार-जीत होती है, लेकिन अंततः खेल भावना ही सर्वोपरि रहती है। किंतु जब खेल के मंच को भी राजनीतिक कटाक्ष और व्यक्तिगत टिप्पणियों का माध्यम बना दिया जाए, तो यह खेल की गरिमा और राष्ट्रीय भावना दोनों को आहत करता है। क्रिकेट जैसे खेल, जो भारत में करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा है, उसे भी जब राजनीतिक तंज का विषय बना दिया जाता है तो यह प्रवृत्ति चिंताजनक प्रतीत होती है। विडंबना यह है कि जिस स्टेडियम के नाम को लेकर कुछ लोगों ने व्यंग्य और कटाक्ष का सहारा लिया, उसी मैदान पर भारत ने विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। यह घटना केवल खेल की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक रूप से भी बहुत कुछ कहती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि क्षणिक राजनीतिक टिप्पणियाँ और नकारात्मक बयानबाजी अंततः वास्तविक उपलब्धियों के सामने टिक नहीं पातीं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में यह स्वाभाविक है कि सभी लोग एक ही राजनीतिक विचारधारा से सहमत नहीं होंगे। कोई भी नेता या सरकार आलोचना से परे नहीं हो सकती। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि आलोचना तथ्यों, तर्कों और मर्यादा के आधार पर हो। जब आलोचना का स्वरूप गिरकर केवल व्यंग्य, अपमान और उपहास तक सीमित हो जाता है, तब वह लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को कम कर देता है। सोशल मीडिया के विस्तार ने इस समस्या को और भी जटिल बना दिया है। आज हर व्यक्ति के पास अपनी राय व्यक्त करने का मंच है। यह लोकतांत्रिक दृष्टि से सकारात्मक भी है, क्योंकि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नया विस्तार मिला है। लेकिन इसके साथ ही यह भी देखने में आता है कि कई बार बिना तथ्य जाँचे, बिना गंभीरता से सोचे लोग ऐसी टिप्पणियाँ कर देते हैं जो अनावश्यक विवाद और कटुता को जन्म देती हैं। कई बार लोग केवल किसी समूह विशेष को खुश करने या भीड़ का हिस्सा बनने के लिए ऐसी भाषा का प्रयोग करने लगते हैं जो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कही जा सकती। राजनीतिक संवाद में भाषा की मर्यादा का विशेष महत्व होता है। शब्द केवल विचार व्यक्त नहीं करते, बल्कि समाज के वातावरण को भी प्रभावित करते हैं। जब सार्वजनिक जीवन में प्रयुक्त भाषा लगातार कठोर और अपमानजनक होती जाती है, तो उसका प्रभाव समाज के सामान्य व्यवहार पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे असहमति को दुश्मनी और आलोचना को अपमान समझने की प्रवृत्ति बढ़ने लगती है। भारतीय राजनीतिक परंपरा में व्यंग्य और कटाक्ष की अपनी एक जगह रही है, लेकिन इसके साथ एक प्रकार का संतुलन और मर्यादा भी दिखाई देती थी। आज स्थिति कई बार ऐसी दिखाई देती है जहाँ शब्दों की तीव्रता और भाषा की कठोरता संवाद की संभावनाओं को ही समाप्त कर देती है। इससे समाज में अनावश्यक तनाव और विभाजन की स्थिति पैदा होती है। इस संदर्भ में यह समझना भी आवश्यक है कि किसी भी लोकतंत्र में स्वस्थ आलोचना अनिवार्य होती है। यदि सरकार या नेतृत्व से कोई भूल होती है तो उसकी आलोचना होना स्वाभाविक है। मीडिया, बुद्धिजीवी और आम नागरिकों का यह दायित्व है कि वे सत्ता से सवाल पूछें। लेकिन आलोचना का उद्देश्य सुधार होना चाहिए, न कि केवल अपमान या उपहास। आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह स्वस्थ आलोचना और अनावश्यक घृणा के बीच अंतर को समझे। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की स्वाभाविक विशेषता हैं, लेकिन यदि ये मतभेद सामाजिक विभाजन का कारण बनने लगें तो यह स्थिति चिंता का विषय बन जाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम असहमति को सम्मानजनक संवाद के रूप में स्वीकार करें, न कि उसे व्यक्तिगत आक्रमण का माध्यम बना दें। समाज के जागरूक वर्ग—जैसे लेखक, पत्रकार, शिक्षाविद और बुद्धिजीवी—इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सार्वजनिक विमर्श का स्तर गिरने न पाए। तर्क, तथ्य और मर्यादा के साथ अपनी बात रखने की परंपरा को मजबूत करना ही लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा योगदान हो सकता है। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि राजनीतिक सत्ता स्थायी नहीं होती। समय के साथ सरकारें बदलती रहती हैं, नेता आते-जाते रहते हैं और परिस्थितियाँ भी बदलती रहती हैं। लेकिन राष्ट्र की प्रतिष्ठा और उसकी गरिमा स्थायी होती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक विवाद या असहमति में हमें इस मूल तथ्य को नहीं भूलना चाहिए कि अंततः हम सभी एक ही देश के नागरिक हैं और उसकी प्रतिष्ठा हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम राजनीतिक बहसों को अधिक परिपक्व और जिम्मेदार बनाएं। असहमति को शत्रुता में बदलने के बजाय उसे विचारों के स्वस्थ आदान-प्रदान का माध्यम बनाएं। आलोचना करें, लेकिन तर्क और तथ्य के आधार पर करें। व्यंग्य करें, लेकिन उसकी मर्यादा बनाए रखें। और सबसे महत्वपूर्ण यह कि किसी भी परिस्थिति में देश की प्रतिष्ठा और गरिमा को सर्वोपरि रखें। लोकतंत्र की असली ताकत केवल चुनावों में नहीं, बल्कि उस संवाद में होती है जो समाज के भीतर निरंतर चलता रहता है। यदि यह संवाद संयमित, तर्कपूर्ण और सम्मानजनक होगा तो लोकतंत्र मजबूत होगा। लेकिन यदि यह संवाद घृणा, उपहास और कटुता से भर जाएगा, तो लोकतंत्र की जड़ें कमजोर पड़ने लगेंगी। अंततः यह स्मरण रखना होगा कि राजनीतिक टिप्पणियाँ क्षणिक होती हैं, लेकिन राष्ट्र की उपलब्धियाँ इतिहास बन जाती हैं। जिस मैदान को लेकर कभी तंज कसे गए थे, उसी मैदान पर जब भारत विश्व विजेता बनकर खड़ा होता है, तो वह केवल एक खेल की जीत नहीं होती—वह यह भी संदेश देती है कि नकारात्मकता और कटाक्ष से ऊपर उठकर ही देश की असली पहचान बनती है।

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में भूमिका

संजय गोस्वामी

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक जानी-मानी भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवि थीं, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिलाओं की शिक्षा और उन्हें मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय की कुछ पढ़ी-लिखी महिलाओं में गिनी जाने वाली सावित्रीबाई को अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ पुणे के भिड़े वाडा में पहला लड़कियों का स्कूल खोलने का क्रेडिट दिया जाता है। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ाने और उनकी आज़ादी के लिए बहुत कोशिश की, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ़ कैंपेन चलाया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन की एक जानी-मानी हस्ती, उन्हें बी. आर. अंबेडकर और अन्नाभाऊ साठे जैसे लोगों के साथ दलित मांग जाति का आइकॉन माना जाता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ़ कैंपेन चलाया और जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को खत्म करने में एक्टिव रूप से काम किया। सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को ब्रिटिश इंडिया के नायगांव (अभी सतारा ज़िले में) में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवेशे पाटिल था और उनकी सबसे बड़ी बेटी लक्ष्मी थीं। उन दिनों लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी, इसलिए आम रीति-रिवाजों के हिसाब से, 9 साल की सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 साल के ज्योतिराव फुले से कर दी गई। ज्योतिराव आगे चलकर एक विचारक, लेखक, सोशल एक्टिविस्ट और जाति-विरोधी समाज सुधारक बने। उन्हें महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन के जाने-माने लोगों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की पढ़ाई शादी के बाद शुरू हुई। उनके पति ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया, जब उन्होंने उनकी सीखने और खुद को शिक्षित करने की इच्छा देखी। उन्होंने एक नॉर्मल स्कूल से तीसरे और चौथे साल की परीक्षा पास की और पढ़ाने का शौक रखने लगीं। उन्होंने अहमदनगर में सुश्री फरार इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग ली। ज्योतिराव सावित्रीबाई के सभी सामाजिक कामों में मज़बूती से उनके साथ खड़े रहे। पुणे (उस समय पूना) में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने 1848 में शुरू किया था, जब सावित्रीबाई अभी टीनएज में थीं। हालाँकि इस कदम के लिए उन्हें परिवार और समाज दोनों से अलग-थलग कर दिया गया था, लेकिन इस पक्के इरादे वाले जोड़े को उनके एक दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने पनाह दी, जिन्होंने फुले जोड़े को स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जगह भी दी। सावित्रीबाई स्कूल की पहली टीचर बनीं। ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाद में मांग और महार जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए, जिन्हें अछूत माना जाता था। 1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं। फुले दंपत्ति द्वारा चलाए जा रहे तीनों स्कूल 1858 तक बंद हो गए। इसके कई कारण थे, जिनमें 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद प्राइवेट यूरोपियन डोनेशन का सूख जाना, करिकुलम पर मतभेद के कारण स्कूल मैनेजमेंट कमेटी से ज्योतिराव का इस्तीफा और सरकार से सपोर्ट वापस लेना शामिल था। हालात से हारे बिना ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने फातिमा शेख के साथ मिलकर दबे-कुचले समुदायों के लोगों को भी पढ़ाने का जिम्मा उठाया। इतने सालों में, सावित्रीबाई ने 18 स्कूल खोले और अलग-अलग जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्रीबाई और फातिमा शेख ने महिलाओं के साथ-साथ दबी-कुचली जातियों के दूसरे लोगों को भी पढ़ाना शुरू किया। यह बात कई लोगों को अच्छी नहीं लगी, खासकर पुणे की ऊंची जाति के लोगों को, जो दलितों की पढ़ाई के खिलाफ थे। सावित्रीबाई और फातिमा शेख को वहां के लोगों ने धमकाया और उन्हें समाज में परेशान और बेइज्जत भी किया गया। जब सावित्रीबाई स्कूल की तरफ जाती थीं, तो उन पर गोबर, कीचड़ और पत्थर फेंके जाते थे। हालांकि, ऐसे जुल्म भी पक्के इरादे वाली सावित्रीबाई को उनके मकसद से रोक नहीं पाए और वह दो साड़ियां साथ रखती थीं। सावित्रीबाई और फातिमा शेख के साथ बाद में सगुना बाई भी जुड़ गईं, जो आखिरकार एजुकेशन मूवमेंट में एक लीडर बन गईं। इस बीच, 1855 में फुले दंपत्ति ने किसानों और मजदूरों के लिए एक नाइट स्कूल भी खोला ताकि वे दिन में काम कर सकें और रात में स्कूल जा सकें। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को रोकने के लिए, सावित्रीबाई ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए स्टाइपेंड देने की प्रैक्टिस शुरू की। वह जिन छोटी लड़कियों को पढ़ाती थीं, उनके लिए वह एक प्रेरणा बनी रहीं। उन्होंने उन्हें लिखने और पेंटिंग जैसी एक्टिविटीज करने के लिए हिम्मत दी। सावित्रीबाई की एक स्टूडेंट मुक्ता साल्वे का लिखा एक निबंध उस समय दलित फेमिनिज़्म और लिटरेचर का चेहरा बन गया। उन्होंने पेरेंट्स को शिक्षा के महत्व के बारे में अवेयर करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर पेरेंट-टीचर मीटिंग कीं ताकि वे अपने बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजें। 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने भी शुरू किया।'बालहत्या रोकथाम गृह' नाम का एक केयर सेंटर, शायद भारत में बना पहला शिशु हत्या रोकथाम गृह था। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि गर्भवती ब्राह्मण विधवाएं और रेप पीड़ित अपने बच्चों को सुरक्षित जगह पर जन्म दे सकें, जिससे विधवाओं की हत्या को रोका जा सके और शिशु हत्या की दर भी कम हो सके। 1874 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई, जो वैसे निःसंतान थे, ने काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लिया, जिससे समाज के प्रगतिशील लोगों को एक मज़बूत संदेश मिला। गोद लिया हुआ बेटा, यशवंतराव, बड़ा होकर डॉक्टर बना। ज्योतिराव ने विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की, वहीं सावित्रीबाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ़ बहुत मेहनत की। ये दो सबसे सेंसिटिव सामाजिक मुद्दे थे जो धीरे-धीरे महिलाओं के वजूद को कमज़ोर कर रहे थे। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ा-लिखाकर और उन्हें मज़बूत बनाकर मुख्यधारा में लाने की भी कोशिश की और उनकी दोबारा शादी की भी वकालत की।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए ताजगी भरा रहेगा। शैक्षणिक संस्थान में कार्यरत लोग आने वाले कल की आर्थिक योजनाएं बनाने में व्यस्त रहेंगे। आज आपको कारोबार में दोगुना मुनाफा होने के योग है। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में रहेंगे। घरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिये अच्छा रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने वाले सभी लोगों से प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे, आपकी बातों से कुछ लोग प्रभावित होंगे। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आप दोस्तों के साथ डिनर पर जायेंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ होने की संभावना है। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को आज किसी बड़ी कंपनी में जॉब मिलेगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने व्यक्तित्व को निखारने का प्रयास करेंगे। खेल कूद से जुड़े लोग अच्छी प्रदर्शन के लिए कुछ नई ट्रिक्स आजमाएंगे। कपड़े का कारोबार कर रहे लोगों को आज बढ़िया मुनाफा हो सकता है। पूर्व में किये गये कार्यों का आज बेहतरीन परिणाम प्राप्त होगा इस राशि वाले छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है

सिंह राशिः आज आपके लिए यादगार रहेगा। आज असंभव सा लगने वाला कार्य आसानी से पूर्ण हो जायेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। माता-पिता आपको बड़ा गिफ्ट देंगे जिससे मन अति प्रसन्न होगा। तकनीकी के क्षेत्र में कार्यरत लोग आगे भविष्य सम्बन्धी योजनाएं बनायेंगे जो आपके लिए फायदेमंद रहेगी साथ ही नई तकनीकि को सीखने का भी प्रयास करेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीतेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक बड़ा धन लाभ होगा। पैसे का लेन –देन बढ़ने की संभावना है। घर में नए मेहमान के आने घर में उत्सव का माहौल बनेगा। बच्चे आज आपसे किसी खिलौने की मांग कर सकते है। कृषि कार्य से जुड़े लोगों को आज आर्थिक योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, जिससे आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

तुला राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे आज आपकी मेहनत रंग लाएगी आज व्यवसाय में बढ़िया लाभ होने की सम्भावना है। क़ानूनी क्षेत्र से जुड़े आज किसी महत्वपूर्ण केस की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपको अपनी मेहनत का सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा। आज किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपको आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आज कुछ समय निकाल कर बच्चों की समस्याएं जरूर सुने और समाधान भी अवश्य निकालें।

धनु राशिः आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। विद्यार्थियों को आज अपने टाइम टेबल में बदलाव करने की जरूरत है अलास्य का त्याग करें सफलता अवश्य मिलेगी। आज हर कोई आपकी बातों से प्रभावित होगा। जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां आपको मिलेगी, जिनको आप अच्छी तरह से निभाएंगे।

मकर राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज अत्यधिक समय परिवार के साथ बिताएंगे साथ ही घर में विशेष अनुष्ठान करवाने की योजना भी बनायेंगे। आज आपके लिए किसी भी मामले में निर्णय लेने में थोड़ी मुश्किल होगी साथ ही पिता जी की सलाह फायदेमंद साबित होगी।

कुंभ राशिःआज आपका दिन मिला-जुला अनुभव वाला रहेगा। घर पर अचानक ख़ास रिश्तेदार आ सकता है, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आयेंगे। आज आपको किसी भी तरह के वाद-विवाद से बचने की जरूरत है। किसी से बातचीत करते समय आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा।

मीन राशिःआज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको परिवार से जुड़ी कुछ नई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। आज आपके बॉस आपके घर डिन्नर पर आ सकते है। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्लानिंग सफल होगी। अपने व्यक्तित्व को जरूरी बदलाव है। साथ ही आज का दिन कम मेहनत में ज्यादा फल दिलाने वाला रहेगा। प्रॉपर्टी डीलर्स को किसी बड़ी डील से अच्छा मुनाफा होगा। आज आपको दूसरों से सोच-समझ कर बात करने की जरूरत है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

टी20 विश्व कप जीत के बाद सूर्यकुमार यादव का अगला लक्ष्य ओलंपिक स्वर्ण पदक

एजेंसी, नई दिल्ली

टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद अब अपना अगला बड़ा लक्ष्य तय कर लिया है। उन्होंने कहा कि टीम का अगला लक्ष्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना और उसी साल होने वाला अगला टी20 विश्व कप जीतना है। अहमदाबाद में न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराकर खिताबी जीत के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्या ने कहा,"अब हमारा अगला लक्ष्य ओलंपिक है। ओलंपिक गोल्ड और उसी साल होने वाला टी20 विश्व कप भी। इसे भूलिए मत।" बता दें कि 2028 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक अगस्त 2028 में लॉस एंजेलिस में आयोजित होंगे। वहीं टी20 विश्व कप का अगला संस्करण उसी साल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा। सूर्यकुमार यादव के इस बयान से उनके भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग

गया है। इससे पहले रोहित शर्मा ने 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि विश्व कप जीत का एहसास अभी पूरी तरह से महसूस नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, "अभी हम मैच से बाहर आए हैं, इसलिए इस जीत को पूरी तरह महसूस करने में थोड़ा समय लगेगा। जब हम घर जाएंगे और अगले दिन उठेंगे, तब शायद इस जीत का असली एहसास होगा। पिछले दो साल का सफर अविश्वसनीय रहा है।" भारत ने टूर्नामेंट में खेले गए नौ में से आठ मैच जीते। हालांकि शुरुआत आसान नहीं रही। टीम को पहले मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा और सुपर-8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा। कप्तान ने कहा कि चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के बाद टीम ने अलग अंदाज का क्रिकेट खेलना शुरू किया और आत्मविश्वास बढ़ता गया। सूर्यकुमार यादव ने बताया कि 2024 के टी20 विश्व कप फाइनल में लिया गया उनका यादगार कैच उनके जीवन का टर्निंग प्वाइंट बना। उसी के बाद जब उन्हें कप्तानी मिली तो उन्होंने 2026 में भारत में होने वाले विश्व कप को लक्ष्य बनाकर टीम को तैयार करना शुरू किया। उन्होंने कहा कि टीम ने 2024 के बाद से आक्रामक और अलग अंदाज का क्रिकेट खेलना शुरू किया। इसी रणनीति के साथ भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 भी जीती और अब घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव ने कहा, "हम इसी तरह आक्रामक क्रिकेट खेलते रहना चाहते हैं और 2027, 2028 और 2029 में भी यही रवैया जारी रहेगा।"

एएफसी एशियाई कप फुटबॉल में आज चीनी ताइपे से होगा भारतीय टीम का मुकाबला

एजेंसी, होबर्ट

ऑस्ट्रेलिया में जारी एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल में भारतीय महिला फुटबॉल टीम मंगलवार को चीनी ताइपे से खेलेगी। भारतीय टीम के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसे क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखने के लिए ये अंतिम ग्रुप मैच दो गोल के अंतर से जीतना होगा। इसके अलावा कुछ अन्य परिणाम उसके अनुसार रहने की उम्मीद करनी होगी। भारतीय टीम के लिए हालांकि अपने से ऊंची रैंकिंग वाली चीनी ताइपे को हराना आसान नहीं होगा। चीनी ताइपे ने एक अन्य मैच में चीन को 1-0 से हराया है जिससे उसके लय में होने को अंदाजा होता है। भारतीय टीम अपने पहले मैच में वियतनाम से 1-2 से हार गयी थी। वहीं दूसरी मैच में उसे जापान से 11-0 से हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उसे चीनी

ताइपे को हराने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। जापान के हाथों भारतीय टीम को 11-0 से हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार शुरुआती दो मैच हाकर भारतीय टीम ग्रुप सी में अंतिम स्थान पर फिसल गयी है। अब भारतीय टीम को अर क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखनी है। तो उसे 10 मार्च को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबले में बड़ी जीत हासिल करनी होगी। चीनी ताइपे ने एक अन्य मैच में चीन को 1-0 से हराया है जिससे उसके लय में होने को अंदजा होता है। भारतीय महिला फुटबॉल टीम जापान के खिलाफ मुकाबले में लय में नहीं दिखी। पूर्व चैंपियन जापान मैच शुरू के बाद ही हावी हो गयी। उसने शुरूआती हाफ में ही 5-0 की बढ़त के साथ ही अपनी जीत की संभावना पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल किये। जापान के खिलाफ इस मैच में भारतीय टीम कहीं भी मुकाबले में नहीं दिखी। इससे साफ है कि भारतीय टीम को अभी काफी सुधार की जरुरत है। दो बार की विजेता जापान ने मैच में अधिकतरा समय गेंद अपने पास रखी। वहीं चार महीने के बाद अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में कही नहीं दिखी। जापान की ओर से युजुकी यामामोटो ने चौथे मिनट, युई हसेगावा ने 13वें, हिनाता मियाजावा ने 20वें, 35वें, 81वें, किको सेइके ने 45वें, 55वें, जबकि रिको उईकी ने 47वें, 50वें, 65वें और माया हिजिकाता ने 62वें मिनट में गोल किये। अब भारतीय टीम को अपनी आगे की संभावनाएं बनाये रखने के लिए अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल के अंतर से हराना होगा।

धोनी ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा, आपकी मुस्कान शानदार लग रही

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। धोनी फाइनल के दौरान वीवीआईपी बॉक्स में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ बैठे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी भी व्यक्त की है। धोनी ने लिखा, "कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।," गौरतलब है कि गंभीर की छवि काफी सख्त कोच की रही है और वह अपने नाम के अनुरुप हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। इसके अलावा धोनी से भी उनके

संबंध अच्छे नहीं माने जाते रहे हैं। धोनी ने इस बार गर्मजोशी से गंभीर के प्रति अपनी बात कही है। उन्होंने टीम में नए नेतृत्व के तहत हुए बदलाव को भी सही बताया। उन्होंने साथ ही लिखा, "अहमदाबाद में इतिहास बन गया। टीम, सहयोग स्टाफ और भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बहुत खुशी की बात है।" "कोच साहब" वाली टिप्पणी मजाकिया अंदाज में गंभीर के लिए थी, जो गंभीर छवि के लिए जाने जाते हैं। धोनी की गंभीर की जीत के बाद मुस्कान पर की गई मजाकिया टिप्पणी से भी पता चलता है कि दोनों के बीच मतभेद की जो बातें आती रही हैं। वे सभी गलत हैं। सोशल मीडिया पर आम तौर पर गंभीर और धोनी को अच्छा दोस्त नहीं माना जाता पर इन दोनो ने ही कई बार उन्होंने इन अफवाहों को गलत साबित किया है। धोनी ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा की है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को अपनी गेंदबाजी से ढ़हा दिया था। इसी को देखते हुए धोनी ने लिखाः "बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज।" इससे साफ है कि बुमराह के बारे में कुछ भी लिखना बेकार है।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ। बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की। एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, आज मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं। सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया। अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को

एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी। वह 21 गेंदों में 52 रनों की पारी खेलकर पेवेलियन लौट पर तब तक भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत मिल गयी थी। इस पारी से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। वहीं टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए अच्छी नहीं रही थी। पहली तीन पारियों में तो वह शून्य पर ही आउट हो गये थे। चौथे मैच में भी केवल 15 रन ही बना पाये। एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 55 रन बनाये पर सुपर 8 के आखिरी मैच में सिर्फ 10 रन बना सके। सेमीफाइनल में भी अभिषेक केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में उन पर दबाव था कि फाइनल मैच में कुछ बड़ा करें जिसमें वह सफल रहे।

गंभीर ने ट्रॉफी जीतने पर खुशी जताते हुए आलोचकों को दिया करारा जवाब

मेरी जवाबदेही टीम के प्रति, द्रविड़ और लक्षमण के प्रति आभार जताया

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्वकप जीतने के बाद खुशी जताते हुए कहा है कि उनका काम करने का तरीका अलग हैं, इसलिए वह कई लोगों को समझ में नहीं आता पर उनकी रणनीति स्पष्ट रहती है। साथ ही कहा कि उनकी उनकी जवाबदेही टीम और उन 30 लोगों के लिए है जिसके कारण वह कोच हैं। इसलिए बाहर या सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है उससे उन्हें मतलब नहीं है। गंभीर ने कहा, 'मेरी जवाबदेही सोशल मीडिया पर लोगों के लिए नहीं है। मेरी जवाबदेही उन 30 लोगों के लिए है जो चेंज रूम में हैं।' गंभीर के कोच बनने के बाद से सही टीम ने तीन बड़ी ट्रॉफी जीती है हालांकि वह टेस्ट प्रारुप में अधिक सफल नहीं रही है। गंभीर ने कहा कि खिलाड़ियों ने मुझे वह कोच बनाया। साथ ही कहा कि वह ये ट्रॉफी पूर्व कोच राहुल द्रविड़ और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को समर्पित करता हूं। साथ ही कहा कि द्रविड़ टीम को यहां तक लाये हैं जबकि लक्ष्मण ने सीओई में खिलाड़ियों को निखारा है। साथ ही कहा कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर का भी में आभार जताता हूं। उन्होंने आलोचना झेलने के बाद भी ईमानदारी से काम किया है। साथ ही कहा कि बीसीसीआई के पूर्व

सचिव जय शाह ने भी सबसे खराब दौर में मुझसे बात की थी। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जिस कुशलता से टीम को संभाला है उससे भी मेरा काम आसान हो गया। वह ऐसे कप्तान हैं जो सभी को साथ लेकर चलते हैं। उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना रहा है निजी उपलब्धियों के पीछे वह नहीं जाते। . हम कई साल तक निजी उपलब्धियों से ही खुश हो गये जबकि हमारा ध्यान ट्रॉफी जीतने की खुशी मनाना रहना चाहिये। गंभीर के कार्यकाल में अब तब टीम ने दो-दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र कोच हैं। इसके अलावा भारतीय टीम ने एशिया कप भी जीता था। भारतीय टीम ने अब तीसरी बार टी20 विश्वकप जीता है। इस प्रकार वह अपनी धरती पर ये खिताब जीतने वाली पहली टीम है।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में कोहराम, सेंसेक्स और निफ्टी में जोरदार गिरावट

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट की वजह से दुनिया भर के शेयर बाजार में मचे कोहराम का असर आज घरेलू शेयर बाजार पर भी साफ-साफ नजर आ रहा है। भारतीय शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही पहले दो मिनट में ही लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी का रुख बनता हुआ नजर आया, लेकिन इसके तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट के शिकार हो गए। हालांकि खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश करते रहे, लेकिन अभी तक के कारोबार में बिकवाली का दबाव इतना अधिक है कि शेयर बाजार को कोई राहत मिलती हुई नजर नहीं आ रही है। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 2.79 प्रतिशत और निफ्टी 2.77 प्रतिशत टूट कर कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से सिर्फ कोल इंडिया का शेयर मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर, इंटरग्लोब एवियशन, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, श्रीराम फाइनेंस, टीएमपीवी और जियो फाइनेंशियल के शेयर 7.53 प्रतिशत से लेकर 4.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,761 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 218 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,543

शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल सभी 30 शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से सिर्फ एक शेयर हरे निशान में और 49 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 1,862.15 अंक की कमजोरी के साथ 77,056.75 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले दो मिनट में ही यह सूचकांक उछल कर 77,333.85 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से पहले 15 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स टूट कर 76,424.55 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 2,202.53 अंक की गिरावट के साथ 76,716.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 582.40 अंक लुढ़क कर 23,868.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवाली का सपोर्ट मिलने पर यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 90 अंक से अधिक उछल कर 23,959.70 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई। इस बिकवाली की वजह से पहले 15 मिनट के कारोबार में ही निफ्टी 23,697.80 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 676.45 अंक की कमजोरी के साथ 23,774 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 1,097 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,918.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 315.45 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,450.45 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई मामूली गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,63,640 रुपये से लेकर 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,49,990 रुपये से लेकर 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,63,790 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,49,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

पश्चिम एशिया में युद्ध का असर, कच्चा तेल 114 डॉलर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में भारी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। तेल की सप्लाई और शिपिंग प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत साढ़े तीन साल बाद पहली बार 114 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई। युद्ध के कारण सप्लाई को लेकर बढ़ती अनिश्चितता ने बाजारों में चिंता बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड आयल की कीमत शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज में कारोबार शुरू होने के बाद 107.97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। वहीं अमेरिकी कच्चा तेल वेस्ट टेक्सेज इंटरमीडियट (डब्ल्यूटीआई) करीब 106.22 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता देखा गया, जो शुक्रवार के बंद भाव 90.90 डॉलर की तुलना

में लगभग 16.9 प्रतिशत ज्यादा है। पिछले एक सप्ताह में ही अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत लगभग 36 प्रतिशत और ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत करीब 28 प्रतिशत बढ़ चुकी है। तेल बाजार में उछाल का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता सैन्य तनाव है। खासतौर पर स्ट्रेट आफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है। यह समुद्री मार्ग दुनिया की कुल तेल सप्लाई का लगभग 20 प्रतिशत संभालता है और हर दिन करीब 1.5 करोड़ बैरल तेल इसी रास्ते से भेजा जाता है। इरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के कारण तेल टैंकरों की आवाजाही लगभग रुक गई है। इस रास्ते से सउदी अरबिया, कुबैत, इराक, कतर, बहरीन और यूनाइटेड अरब अमीरात जैसे देशों का तेल और गैस निर्यात होता है। निर्यात में रुकावट के कारण कुछ देशों ने उत्पादन भी कम कर दिया है क्योंकि उनके भंडारण टैंक तेजी से भर रहे हैं। ईरान प्रतिदिन लगभग 16 लाख बैरल तेल निर्यात करता है, जिसमें से अधिकांश चीन को जाता है। यदि यह सप्लाई बाधित होती है तो चीन को अन्य देशों से तेल खरीदना पड़ सकता है, जिससे वैश्विक बाजार में कीमतों पर और दबाव बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तनाव लंबे समय तक बना रहा तो महंगे तेल के कारण दुनिया भर में महंगाई बढ़ सकती है और आर्थिक गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है।

पश्चिम एशिया संकट की रुपये पर गिरी गाज, सबसे निचले स्तर पर पहुंची भारतीय मुद्रा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमत में आई जोरदार तेजी की वजह से भारतीय मुद्रा रुपये पर दबाव काफी बढ़ गया है। आज भारतीय मुद्रा ने डॉलर की तुलना में बड़ी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की और थोड़ी ही देर में अभी तक के सबसे निचले स्तर 92.35 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को रुपये ने डॉलर के मुकाबले 91.74 के स्तर पर कारोबार का अंत किया था। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी बड़ी गिरावट के साथ की थी। इंटर बैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 46 पैसे की कमजोरी के साथ 92.20 रुपए प्रति डॉलर के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। बाजार खुलने के बाद कच्चे तेल की कीमत में 25 प्रतिशत तक की उछाल ने मार्केट सेंटीमेंट्स पर काफी नकारात्मक असर डाला, जिसकी वजह से भारतीय मुद्रा 61 पैसे गिर कर अभी तक के सबसे निचले स्तर 92.35 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक आ गई। हालांकि, इसके बाद रुपये की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। दोपहर एक बजे तक का

कारोबार होने के बाद भारतीय मुद्रा 52 पैसे की कमजोरी के साथ 92.26 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रही थी। मुद्रा बाजार के अभी तक के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) और यूरो के मुकाबले भी के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। दोपहर एक बजे के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 81.95 पैसे की कमजोरी के साथ 123.06 के स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया 41.40 पैसे फिसल कर 106.61 के स्तर पर पहुंचा हुआ था।

मीशो को आयकर विभाग से मिला 1,500 करोड़ रुपये का मांग नोटिस

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो को आयकर विभाग से लगभग 1,500 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस मिला है। कंपनी ने इस नोटिस को चुनौती देने का निर्णय लिया है। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो ने सोमवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसे छह मार्च को आकलन वर्ष 2023-24 के लिए आयकर विभाग से यह नोटिस मिला। इसमें विभाग की आकलन इकाई ने ब्याज सहित कुल 1,499.73 करोड़ रुपये की कर मांग रखी है। यह कर मांग कंपनी की घोषित आय में कुछ बढ़ोतरी और समायोजन को आधार बनाते हुए जारी किया गया है। नियामकीय सूचना के मुताबिक मीशो ने कहा कि वह इस आकलन आदेश की समीक्षा कर रही है और उसमें की गई टिप्पणियों और समायोजनों से सहमत नहीं है। कंपनी ने कहा कि हमारा मानना है कि कंपनी के पास इसे चुनौती देने के लिए पर्याप्त कानूनी एवं तथ्यात्मक आधार हैं और अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। कंपनी ने बताया कि आकलन वर्ष 2022-23 के लिए भी इसी तरह की कर मांग रखी गई थी। उस मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 17 अप्रैल, 2025 को अंतरिम स्थगन दे दिया था और मामला अभी लंबित है। मीशो ने कहा कि मौजूदा आकलन आदेश और कर मांग नोटिस का कंपनी की वित्तीय स्थिति, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई बड़ा प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ब्लास्ट मोड ऑनः अब पाकिस्तान का मुस्तकबिल, तय करेगा हिंदुस्तान, रिलीज हुआ धुरंधरः द रिवेंज का दमदार ट्रेलर

धुरंधर: द रिवेंज के ट्रेलर का इंतजार खत्म हुआ. मेकर्स ने रणवीर सिंह की एक्शन थ्रिलर के सीक्वल का धांसू ट्रेलर रिलीज किया है. 3 मिनट 25 सेकंड के इस ट्रेलर ने दर्शकों और फैंस के उत्साह को और बढ़ा दिया है. यह फिल्म 19 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. शनिवार को मेकर्स ने धुरंधर: द रिवेंज का ट्रेलर सोशल मीडिया पर अपलोड किया है. इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, अब पाकिस्तान का मुस्तकबिल, हिंदुस्तान तय करेगा. धुरंधर 2 का साढ़े तीन मिनट का ट्रेलर एपिक रिवेंज का वादा करता है. आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर पहली फिल्म के शुरुआती सीन से शुरू होता है, जो आईसी-814 हाईजैकिंग का सीन था और आगे दिखाता है कि कैसे हमजा (रणवीर सिंह) ने पहली फिल्म में अक्षय खन्ना के रहमान डकैत को मार डाला था. ट्रेलर में इंट्रोड्यूसिंग जसकीरत सिंह रंगी टेक्स्ट भी दिखाया गया है जो फिल्म में रणवीर के कैरेक्टर की असली पहचान है. कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि हम इस फिल्म में उनकी बैकस्टोरी देखेंगे. ट्रेलर में एक खास सीन भी दिखाया गया है, हम देखते हैं कि यलीना (सारा अर्जुन) गोली चलाने के लिए तैयार होते हुए बंदूक उठाती है. क्या ऐसा हो सकता है कि वह हमजा के रॉ बैकग्राउंड के बारे में पता चलने के बाद उसे गोली मारने वाली है? संजय दत्त के चौधरी असलम का भी किरदार ट्रेलर में देखने को मिला है. वह पूरे ट्रेलर में हैं. चूंकि पहली फिल्म में, चौधरी असलम और हमजा ने हाथ मिलाकर रहमान डकैत को मार डाला था. ऐसा लगता है कि अब, जब हमजा ल्यारी की गैंग एक्टिविटीज को संभालेगा. ट्रेलर में संजय का डायलॉग जहां दर्द है वहां मर्द है लोगों का ध्यान खींचा है. यह सोशल मीडिया पर वायरल होने का पूरा पोटेंशियल रखता है. धुरंधर: द रिवेंज पैन इंडिया लेवल पर रिलीज होगी. मेकर्स ने इसे 5 भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज करने का फैसला किया है. इस जबरदस्त स्पाई-एक्शन थ्रिलर को आदित्य धर ने डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है. उन्होंने इस फिल्म के राइटर भी हैं. फिल्म को प्रोड्यूस करने में ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने आदित्य की मदद की है. यह फिल्म 19 मार्च 2026 को गुड़ी पड़वा और उगादी के मौके पर और ईद से पहले दुनिया भर के थिएटर में आएगी. धुरंधर 2 कन्नड़ सुपरस्टार यश की टॉक्सिक से क्लैश होने वाली थी. लेकिन टॉक्सिक के मेकर्स ने इसे जून तक पोस्टपोन कर दिया है. इसकी वजय से रणवीर की यह फिल्म एक बड़े क्लैश से बच गई है, लेकिन अब रणवीर सिंह की एक्शन थ्रिलर को उस्ताद भगत सिंह से कड़ी टक्कर मिलेगी. पवन कल्याण की यह फिल्म भी 19 मार्च को रिलीज हो रही है, इसलिए देखना यह होगा कि ये दोनों फिल्में एक-दूसरे के सामने टिक पाएंगी या नहीं.

भागम भाग 2 में मीनाक्षी चौधरी की एंट्री पक्की, बोलीं- अक्षय कुमार की चेली बनकर रहूंगी

साउथ फिल्मों की चर्चित अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी अब बॉलीवुड में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि वो अक्षय कुमार की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म के सीक्वल भागम भाग 2 के जरिए हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत करेंगी। मीनाक्षी ने इसे अपने करियर का एक बड़ा मोड़ बताते हुए कहा कि अक्षय जैसे सुपरस्टार के साथ काम करने का अवसर उन्हें बिल्कुल सही समय पर मिला है। उन्होंने बातचीत में कहा, मुझे ऐसा लगता है कि ये मौका तब आया, जब मैं बिल्कुल इसी तरह की किसी चीज की तलाश में थी। मैं ऐसी कहानियां ढूंढ रही थी, जिसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर देख सके। मैंने बचपन में इस फिल्म का पहला भाग देखा था और मुझे वो बहुत पसंद आया था, इसलिए इस फिल्म का हिस्सा बनना ऐसा लगता है जैसे ये बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आई है। मीनाक्षी ने आगे कहा, इससे पहले कई प्रोजेक्ट्स मेरे पास आए थे, उनकी कहानियों में मेरी उतनी दिलचस्पी नहीं थी, लेकिन जब भागम भाग 2 मेरे पास आई तो इसमें सिर्फ और सिर्फ हंसी और मनोरंजन का

एहसास हुआ। मुझे लगता है कि आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आप किसी भी भाषा के हों, इस फिल्म की कहानी और इसके किरदार आपसे जरूर जुड़ेंगे। आप चाहे किसी भी भाषा में इसे देखें, आप इसका भरपूर आनंद लेंगे। अक्षय की कॉमिक टाइमिंग के साथ तालमेल बैठाने के सवाल पर मीनाक्षी बोलीं, मैं सेट पर सबसे बड़ी छात्रा बनकर रहूंगी, जैसे गुरु के पास चेले होते हैं। वो जो कहेंगे, मैं वही सीखने और पालन करने की कोशिश करूंगी। मैं इस सेट पर वही बनने जा रही हूं और उनसे जितना हो सके, उतना सीखने की कोशिश करूंगी। आपको हर दिन किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका नहीं मिलता, जो अपने काम में इतना अद्भुत हो। इस सीक्वल की कमान ड्रीम गर्ल के निर्देशक राज शांडिल्य के हाथों में है, जिन्होंने फिल्म की कहानी भी लिखी है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक रिलीज तारीख का खुलासा नहीं किया है। फिल्म में अक्षय के साथ कॉमेडी के बादशाह परेश रावल, मनोज बाजपेयी और अभिनेत्री आयशा खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। ये 2006 की सुपरहिट फिल्म भागम भाग का आधिकारिक सीक्वल है, जिसका प्रशंसक सालों से इंतजार कर रहे थे।

जॉन अब्राहम की फोर्स 3 में हर्षवर्धन राणे की हुई एंट्री, सामने आया खास वीडियो

जॉन अब्राहम की फिल्म फोर्स और फोर्स 2 2011 और 2016 में रिलीज हुई थी। अब निर्माता इसकी तीसरी कड़ी लेकर आ रहे हैं जिसमें हर्षवर्धन राणे भी आधिकारिक तौर पर शामिल हो गए हैं। इस खबर ने उनके फैंस को खुश होने का बड़ा मौका दे दिया है। दिलचस्प बात यह है कि फोर्स 3 में अपने होने की पुष्टि हर्षवर्धन ने सोशल मीडिया पर खुद की है। साथ ही, फिल्म के सेट एक वीडियो भी साझा किया है। हर्षवर्धन ने गुजरात में फोर्स 3 की शूटिंग शुरू कर दी है। इससे पहले, उन्होंने इंस्टाग्राम पर मुहूर्त पूजा का एक वीडियो साझा किया है जिसमें वह शूटिंग शुरू करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लेते दिख रहे हैं। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा, फोर्स 3 हमारे साथ रहें। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा, भगवान आपको नई परियोजना के लिए मार्गदर्शन, शक्ति और ढेर सारा प्यार दें!!! एक अन्य ने लिखा, आपको ढेर सारी शुभकामनाएं।फोर्स 3 के निर्देशन की कमान भाव धूलिया ने संभाली है, जो पहले द फ्रीलांसर का निर्देशन कर चुके हैं। फिल्म के निर्माता खुद जॉन हैं, और मुख्य अभिनेता के तौर पर दमदार वापसी करेंगे। तान्या मानिकतला मुख्य अभिनेत्री के तौर पर इस परियोजना से जुड़ी हैं। निर्माता फिल्म को 2027 तक सिनेमाघरों में उतार सकते हैं, लेकिन आधिकारिक पुष्टि होना फिलहाल बाकी है। बता दें, फोर्स 3 के अलावा हर्षवर्धन को ओमंग कुमार की फिल्म सिला में देखा जाएगा।

समझ भले कम थी, लेकिन जुनून बहुत ज्यादा थाः संदीपा धर

हाल ही में अभिनेत्री संदीपा धर ने अपने सफर, चुनौतियों को लेकर विचार साझा किए। संदीपा ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि इंडस्ट्री की समझ भले कम थी, लेकिन जुनून बहुत ज्यादा था। पहली ही फिल्म में मिली पहचान और अवॉर्ड नॉमिनेशन ने उन्हें आत्मविश्वास तो दिया, पर साथ ही जिम्मेदारी का अहसास भी कराया। उन्होंने कहा कि समय के साथ उन्होंने जाना कि हर मौका बड़ा नहीं होता, लेकिन हर मौका महत्वपूर्ण हो सकता है। उन्होंने बताया कि कई प्रोजेक्ट्स में उनका स्क्रीन टाइम भले ही कम रहा हो, लेकिन उनका मानना है कि किरदार की गहराई और ईमानदारी ही दर्शकों पर असर डालती है। यही विश्वास उन्हें हर काम को बराबर गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करता है। संदीपा के अनुसार, अभिनेता की प्रस्तुति ही तय करती है कि भूमिका छोटी कहलाएगी या प्रभावी बनेगी। बातचीत के दौरान संदीपा ने इंडस्ट्री में मौजूद प्रतिस्पर्धा और लगातार होने वाली तुलना पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि कई कलाकारों की तरह उन्होंने भी ऐसे दौर देखे, जब बाहरी दबाव और लगातार मिलने वाली सलाह—बेहतर दिखने, बदलने, परफेक्ट रहने की से आत्मविश्वास प्रभावित होता है। लेकिन इस प्रक्रिया ने उन्हें सिखाया कि बाहरी मान्यता से ज्यादा जरूरी आत्म-स्वीकृति है। उनके अनुसार, सोशल मीडिया, फिटनेस और इमेज को लेकर बढ़ता दबाव कलाकारों के लिए अक्सर मानसिक चुनौती बन जाता है। संदीपा ने आगे डांस को अपने जीवन का अहम हिस्सा बताया। वह एक ट्रेंड डांसर हैं और किसी मजबूत कहानी वाली डांस-आधारित फिल्म का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि डांस उनके लिए केवल कला नहीं, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम है, जिसने उनके अभिनय को और भी समृद्ध किया है। बता दें कि फिल्मों में कई बार कुछ किरदार स्क्रीन पर कम समय के लिए दिखाई देते हैं, लेकिन दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ जाते हैं। अभिनेत्री संदीपा धर का करियर इसी बात का उदाहरण है।

टॉक्सिक की बदली रिलीज डेट, सामने आई ये बड़ी वजह, धुरंधर 2 से नहीं होगा क्लैश, अब 4 जून को आएगी फिल्म

साल 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का इंतजार पूरे देश को है. यश के फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. यश पूरे चार साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर लौट रहे हैं. फिल्म टॉक्सिक को लेकर आज 4 मार्च को बहुत ही चौंकाने वाला फैसला सामने आया है. मेकर्स ने टॉक्सिक की रिलीज डेट बदल दी है. फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होनी थी. इस दिन रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 से उसका सामना होना था, लेकिन अब टॉक्सिक और धुरंधर 2 का क्लैश खत्म हो चुका है. मेकर्स ने आज फिल्म टॉक्सिक की रिलीज डेट बदलने के साथ-साथ इसका कारण भी बताया है. मेकर्स ने आज सोशल मीडिया पर फिल्म टॉक्सिक की रिलीज डेट बदलने का कारण बताते हुए लिखा है, टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स एक ऐसी फिल्म है जिसे हमने वैश्विक दर्शकों के लिए सिनेमा बनाने की परिकल्पना के साथ बनाया था. कन्नड़ और अंग्रेजी में फिल्माई गई यह फिल्म देश और दुनिया भर के दर्शकों से जुड़ने के दृढ़ विश्वास के साथ बनाई गई है. सालों की मेहनत के बाद, हम 19 मार्च को अपनी फिल्म आप सभी के साथ साझा करने के लिए उत्साहित थे. हालांकि, वर्तमान अनिश्चितता, विशेष रूप से मध्य पूर्व में, ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जो व्यापक दर्शकों तक पहुंचने और उनसे जुड़ने के हमारे लक्ष्य को प्रभावित करती है.

अब कब रिलीज होगी फिल्म?- मेकर्स ने आगे बताया है कि, इसलिए, अपने सहयोगियों और दर्शकों के हित में, हमने कठिन लेकिन सावधानीपूर्वक विचार करने के बादअपनी रिलीज डेट को बदलने का निर्णय लिया है. हम आपकी समझ और धैर्य के लिए धन्यवाद करते हैं और आपके निरंतर प्यार और समर्थन की आशा करते हैं. टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स अब 4 जून 2026 को अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में रिलीज होगी. सिनेमाघरों में मिलते हैं. टॉक्सिक के बारे में बता दें कि यश के फैंस को फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है और कहा जा रहा है कि यह 8 मार्च को रिलीज होगा. गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म को लेकर इंटरनेशनल मार्केट में बहुत शोर है.

ओह माय गॉड्डेस में सामने आया रानी मुखर्जी की एंट्री का सच, पटरी से उतरी बातचीत

बॉलीवुड गलियारों में काफी समय से चर्चा थी कि रानी मुखर्जी जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिल्म ओह माय गॉड्डेस में नजर आएंगी। हालांकि, अब इस पर एक बड़ा अपडेट सामने आया है, जिसने इन तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया है। खबर है कि रानी को इस फिल्म के लिए कभी साइन किया ही नहीं गया था। प्रशंसकों के बीच इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्साह था, लेकिन क्या था कास्टिंग का पूरा सच आइए जानते हैं। अक्षय-रानी के पहली बार रुपहले पर्दे पर एक साथ नजर आने की खबर ने फैंस को उत्साहित कर दिया था, लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, रानी अब ओह माय गॉड्डेस फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त का हिस्सा नहीं हैं। फैंस दोनों सितारों को साथ देखने के लिए बेहद उत्साहित थे, लेकिन रानी के फिल्म से अलग होने के कारण अक्षय के साथ अब उनका ये बहुप्रतीक्षित मिलन ठंडे बस्ते में चला गया है। अक्षय की सुपरहिट फ्रेंचाइजी ओह माय गॉड्डेस के तीसरे भाग ओह माय गॉड्डेस में रानी की एंट्री को लेकर चल रही खबरें अब पूरी तरह अफवाह साबित हुई हैं। रानी को फिल्म में मुख्य नायक के तौर पर लेने की बात चल रही थी, जबकि अक्षय पिछले भागों की तरह ही एक खास कैमियो करने वाले थे। रानी ने फिल्म की कहानी सुनी थी और इसमें दिलचस्पी भी दिखाई थी, लेकिन बात उससे आगे नहीं बढ़ पाई। सूत्र ने बताया, अक्षय-रानी के बीच सालों पुराने और बहुत अच्छे रिश्ते हैं। वो दोनों पहली बार एक साथ काम करने के लिए वास्तव में उत्साहित भी थे, लेकिन वो बातचीत बहुत शुरुआती दौर की थी। दोनों सितारों के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर केवल चर्चा हुई थी, लेकिन बात कभी आधिकारिक साइनिंग या कॉन्ट्रैक्ट तक नहीं पहुंची। धर्म, आस्था व धार्मिक संस्थाओं पर करारे प्रहार के लिए मशहूर ओह माय गॉड्डेस फ्रेंचाइजी इस बार बिल्कुल नए कलेवर में लौटने वाली है। ओह माय गॉड और ओह माय गॉड 2 की सफलता के बाद निर्माता तीसरी किस्त ओह माय गॉड्डेस को नारी शक्ति के ईश्वरीय दृष्टिकोण के साथ पेश करने की तैयारी में हैं। जहां पिछली फिल्मों में भगवान कृष्ण और भगवान शिव के दूत के रूप में पुरुष प्रधान दृष्टिकोण दिखाया गया था, वहीं इस बार कहानी देवी के इर्द-गिर्द बुनी जाएगी। रानी के फिल्म से बाहर होने के बाद फिल्म के लिए दूसरी हीरोइन की तलाश जारी है। ओह माय गॉड्डेस की शूटिंग मई-जून 2026 के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। बता दें कि रानी की हालिया रिलीज फिल्म मर्दानी 3 ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ दिए हैं। अब जल्द ही उन्हें शाहरुख खान की बहुचर्चित फिल्म किंग में देखा जाएगा। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका एक खास कैमियो होने वाला है। ये फिल्म क्रिसमस 2026 के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

'No Excuses, Only Work': PM Rolls Out 33,500cr Projects

New Delhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi rolled out projects worth Rs 33,500 crore in Delhi on Sunday and said that after BJP came to power, "development has gained great momentum".

He said the difference between BJP govt and the "AAPda" govt is clear. "The method of the AAPda govt was less work and more excuses. Today, the development model in Delhi is no excuses, only work. Earlier, projects used to die in files. Today, projects are being implemented on the ground," he said, adding that the launch of the projects was also proof of "how necessary it was for Delhi to be freed from the AAPda" a year ago.

BJP formed its govt in Delhi in Feb 2025 after a gap of 27 years, defeating AAP, which had ruled since 2015.

AAP did not speak on the Prime Minister's criticism of the party's rule in Delhi when media reached out for a reaction.

The Rs 33,500-crore projects include two new corridors of Delhi Metro Rail Corporation - Majlis Park-Maujpur Babarpur (Pink Line) and Deepali Chowk-Majlis Park (Magenta Line) - and three new corridors under Delhi Metro's Phase V-A work. The package includes redevelopment projects worth Rs 15,200 crore under the General Pool Residential Accommodation (GPRA) plan to modernise ageing govt housing colonies and create infrastructure for govt employees and administrative offices.

The event, held on the DDA Ground in north Delhi's Burari, was attended by chief minister Rekha Gupta and Union minister Manohar Lal Khattar.

"The new metro section... will provide convenience to lakhs of people. In particular, daily commute will become much easier for people in East and North-East Delhi. Travelling between Delhi and NCR cities like Ghaziabad, Noida, Faridabad and Gurgaion will become easier," Modi said. "If the AAPda govt was not here, this project would have been completed much earlier."

Modi said modernising infrastructure and connectivity, such as the recently inaugurated Namo Bharat train and the expansion of the metro network to 375 km, was essential to showcase India's confidence globally.

How spring has set Delhi ablaze

New Delhi, Agency: Spring in Delhi transforms the 'concrete jungle' into a vibrant, blooming landscape with the city getting covered in shades of red, green, purple and yellow.

Flaming red semal (cotton silk) trees and bougainvillea spill over several walls.

These also splash hues of different colours with modern buildings in the backdrop. Street art and murals add artistic colour.

Many dividers turn into yellow islands due to Tecoma stans, commonly known as yellow bells or trumpetbush. It is a fast growing evergreen shrub frequently seen in the city's-parks, gardens and roadsides.

Early summer tightens its grip over capital

New Delhi, Agency: Delhiites continued to reel under intense heat conditions as the maximum temperature settled at 35.6 degrees Celsius, seven degrees above normal, on Sunday at Safdarjung, which is the city's base station. It rose further to 38.9 degrees Celsius, 10 notches above normal, at Ridge Observatory in north Delhi.

The mercury at Safdarjung was 35.7 degrees Celsius on Saturday, marking the earliest time in at least 15 years that the mercury crossed the 35 degrees Celsius mark, according to India Meteorological Department (IMD) data available since 2011. No respite is expected in the coming days, with daytime temperatures expected to remain 5-6 degrees Celsius above normal through the week.

According to IMD, the mercury may rise further to around 37-39 degrees Celsius by March 11. However, a slight dip of around 1-2 degrees Celsius may happen thereafter. "Persistent clear skies have been driving temperatures higher in the capital. Delhi has largely witnessed dry conditions since the last spell of intense rainfall towards the end of Jan. Feb saw only two instances of very light showers. In the absence of an active western disturbance affecting the region, the city consistently experienced clear skies, leading to a steady rise in the mercury," said a Met official, adding that a gradual increase in the mercury is expected over the next few days. The minimum temperature on Sunday was recorded at 16.7 degrees Celsius, three degrees above normal and slightly lower than Saturday's minimum of 17.4 degrees Celsius. Forecasts indicate that nights will remain relatively warm, with minimum temperatures likely to stay between 15 degrees Celsius and 18 degrees Celsius. Meanwhile, Delhi's air quality remained in the 'poor' category, with the average AQI of 247 on Sunday.

For 23 years, 1st ride every time: Meet Anil Marwah, who never misses Day 1 journey on new Delhi Metro; clocks 41st ride

New Delhi, Agency: Anil Marwah (65) has never missed riding the Delhi Metro on the first day of any inauguration since it began operations on Dec 25, 2002.

On Sunday, he completed his 41st inaugural ride on the first train from Deepali Chowk-Majlis Park. He followed that with a second ride on the Majlis Park-MaujpurBabarpur stretch too.

"It all started as fun thing to do," Marwah said. "I work with an airline and had earlier lived in Japan, where I enjoyed travelling by metro. When Delhi got its first metro in 2002, my son and I decided to take a ride from Shahdara. Since then, I have made sure to travel on the first train of every extension," he said.

As the two corridors opened simultaneously, he could not catch the first train on the Majlis Park-Maujpur Babarpur corridor. The Majlis Park-Maujpur-Babarpur stretch is an extension of the Delhi Metro Pink Line, while the Deepali Chowk-Majlis Park section extends the Delhi Metro Magenta Line.

During the event, Prime Minister Narendra Modi also laid the foundation stone for three corridors under the metro's Phase V-A expansion, which will add 16.1 km to the network. The planned corridors are RK Ashram Marg-Indraprastha, Aerocity-Indira Gandhi Airport Terminal-1, and Tughlakabad-Kalindi Kunj. With the addition of the Majlis Park-Maujpur-Babarpur corridor, the Pink Line has become the first line in the Delhi Metro network to form a complete circular route. Stretching 71.5 km with 46 stations, it is currently the longest line in the system.

Two engineering highlights of the corridor are the Yamuna bridge and a double-decker viaduct. Delhi's first 1.4-km double-decker viaduct, located between Bhajanpura and Yamuna Vihar, will significantly reshape the landscape of northeast Delhi. Metro trains run on the upper deck, while the lower deck has been designed for vehicular traffic. Trains have already begun operating on the structure, though the road ramp connecting to the viaduct is expected to be completed in a few months.

"The construction of the ramp for the road section of the double-decker viaduct, which was pending, is now being started as tree-cutting permission has just come. It will be completed this year," an official said earlier.

With the new corridor operational, the metro will cross the Yamuna using its fifth bridge, linking Soorghat and Sonia Vihar. The bridge is among 25 structures spanning the 22-km stretch of the Yamuna between the Wazirabad and Okhla barrages. The other four metro bridges include Yamuna Bank on the Delhi Metro Blue Line, Shastri Park on the Delhi Metro Red Line, Kalindi Kunj on the Magenta Line, and Nizamuddin on the Pink Line.

Meanwhile, the fully elevated Deepali Chowk-Majlis Park section of the Magenta Line has seven stations, including three interchange points: Madhuban Chowk (Line-1), Haiderpur Badli Mor (Line-2), and Majlis Park

Parking, garbage among old grudges: How 50-year feud exploded on Holi in Delhi's Uttam Nagar, left 26-year-old dead

New Delhi, Agency: What began as a minor Holi mishap in southwest Delhi's Uttam Nagar spiralled into a deadly clash between two neighbouring families whose disputes date back nearly five decades - a feud fuelled by everyday frictions over parking, garbage disposal and neighbourhood tensions.

The violence on March 4 left 26-year-old Tarun dead and triggered protests, arson and heavy police deployment in the area. Police said eight people, including a minor, have been apprehended so far in connection with the incident. On Sunday, officers arrested the eighth accused, 38-year-old Imran alias Bunty.

Investigators found that the two families had been neighbours for nearly 50 years and had long-standing disputes over issues such as parking and garbage disposal.

During the clash, eight people sustained injuries - three from one family and five from the other. Most were discharged from hospital the same day, but Tarun was admitted with serious injuries.

An FIR was initially registered under provisions related to attempt to commit culpable homicide under the Bharatiya Nyaya Sanhita. After Tarun died during treatment on March 5, the charge of murder was added.

Police said the situation in the locality remains tense but under control. Residents have been urged not to believe rumours, and authorities warned that action would be taken against anyone attempting to give the incident a communal colour or disturb law and order.

NDMC readies plan for 24x7 water supply

New Delhi, Agency: To accomplish the target for round-the-clock water supply in Lutyens' Delhi, NDMC has started the process of appointing a consultant to prepare a 25-year water supply master plan. The consultant will do a study of the NDMC area, assess leakage and shortcomings in the pipeline network, examine the condition of the infrastructure and prepare zone-wise networking plans. "These plans will be revisited every five years to incorporate improvements," an official said.

Tenders have been invited, and more than 10 agencies have expressed interest. "Issues raised during the pre-bid meeting will be addressed. We expect to complete the process in the next 21 days. Based on the consultant's proposals, an expert agency will be hired to execute the plan," the official added.

Thereafter, work will be undertaken in a phased manner, which will eventually eliminate the need for overhead tanks in the NDMC area. With continuous pressurised supply, residents will no longer need to store water.

NDMC provides potable water in the morning and evening, which is stored in overhead tanks. Under the proposed system, supply lines will remain pressurised throughout the day.

Darknet to doorstep: How drug cartel 'Team Kalki' built 4-star reputation on LSD, MDMA across India

New Delhi, Agency: In a major blow to the growing digital narcotics trade, Narcotics Control Bureau (NCB) has recently busted a darknet-enabled pan-India synthetic drug distribution network. It was the result of a three-month intelligence-led operation in the national capital. Two suspects, including the alleged kingpin, have been arrested. The cartel was known as 'Team Kalki' and had acquired a four-star rating over the darknet because of its purported "reliability and quality of the drugs it used to supply".

NCB has seized designer narcotics like 2,338 LSD blotters, 3.6 kg of liquid MDMA and 160 MDMA pills, besides hashish and amphetamine worth several crores in the international market. The contraband was intercepted from 13 domestic parcels and two international shipments originating from the Netherlands.

"The network was spearheaded by one Anurag Thakur and Vikas Rathi, two suspects who have previous criminal records," an NCB spokesperson said, adding that the two crossed paths while serving time in Tihar jail for prior drug-trafficking offences.

Thakur, who has a BBA degree from a private university, was the technical expert and the brains behind the cartel. Rathi, a graduate from Rohtak, was its 'boots-on-the-ground' and handled distribution and clientele.

Thakur was earlier jailed for methamphetamine trafficking, while Rathi was held for distributing charas. Upon their release, the duo leveraged their criminal connection to launch 'Team Kalki' in Jan 2025 and built a reputation on Dread, a dark web forum. It eventually migrated its operations to Session, an encrypted messaging application, to further anonymise their dealings with select clientele.

The network's reach was expansive. It used to source high-grade LSD and MDMA from international suppliers in the Netherlands, Poland and Germany. To evade law enforcement, it employed a 'dead drop' technique, which involved leaving drugs at pre-determined hidden locations, for trusted clients in Delhi. "The cartel used a rotating array of different courier services and Speed Post to complete more than 1,000 orders across states, including Tamil Nadu, Telangana, Kerala and Karnataka," said an official.

Its financial backbone was complex, involving the use of unhosted cryptocurrency wallets to accept payments in Monero and USDT. To obscure the money trail, it routed funds through multiple intermediary 'mule' wallets and layers of conversion, eventually moving the proceeds into cold storage or the formal banking system via KYC-compliant accounts.

While multiple electronic devices and a cryptocurrency wallet have been recovered, NCB's investigation remains active as it works to trace the full international supply chain.

The cartel's focus was on distributing LSD and MDMA due to their clique user-base, which likes the kind of high these designer drugs provide.

LSD, or lysergic acid diethylamide, is a potent psychedelic derived from ergotamine. Usually distributed as small paper blotters or in liquid form, it is known for inducing vivid hallucinations.

MDMA functions as both a stimulant and a hallucinogen. Frequently sold as 'ecstasy' in pill form or 'molly' as a powder, the drug works by triggering a massive release of serotonin, dopamine and norepinephrine in the brain, resulting in intense euphoria, emotional warmth and heightened sensory perception.